A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 81, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

अफगानिस्तान में हक्कानी की हत्या का कई देशों पर होगा असर

प्रवीण स्वामी

कराची के लियाकताबाद में मेले के पास से गुजरती एक कार की पिछली खिड़की से गोलियां चलाई गईं। इस फंडरेज़िंग कार्यक्रम का आयोजन करने वाले समूह, हरकत-उल-अंसार, के बारे में बहुत कम लोग जानते थे। हरकत में वे लड़ाके शामिल थे, जिन्होंने अफगान जिहाद के दौरान इस्लामी नेता जलालुद्दीन हक्कानी के साथ लड़ाई लड़ी थी। यह संगठन उन सरकारों के खिलाफ जिहाद का वादा करता था, जो मुसलमानों को सताने का आरोप झेलती थीं। इस हफ्ते की शुरुआत में ख़लील-उर-रहमान हक्कानी—जो जलालुद्दीन के भाई, उनके उत्तराधिकारी सिराजुद्दीन के चाचा और अफगानिस्तान में 1 हजार से ज्यादा आत्मघाती हमलों के लिए जिम्मेदार नेटवर्क के अहम सदस्य थे—एक आत्मघाती हमले में मारे गए। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। लेकिन यह सिर्फ एक संयोग नहीं है। अपने चाचा की हत्या से एक हफ्ते पहले, सिराजुद्दीन, जो इस्लामिक अमीरात के डिप्टी चीफ हैं, ने अमीर हिबतुल्लाह अखुंदजादा की आलोचना की थी। हिबतुल्लाह ने तालिबान के विरोधियों को 'काफिर या मुरतद' कहा था, जिस पर सिराजुद्दीन ने नाराजगी जताई। इसके अलावा, हक्कानी के प्रभाव वाले इलाकों में, जहां एक सदी से कर नहीं लिया गया था, अब कर लगाने को लेकर भी विवाद हो गया। साथ ही, पश्चिमी मीडिया में सिराजुद्दीन की तारीफों ने शायद हिबतुल्लाह को और गुस्सा दिला दिया।

सबसे अहम बात यह है कि इस्लामाबाद हक्कानी नेटवर्क को लेकर बढ़ती चिंता में है, क्योंकि वे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों के साथ किए गए संघर्ष विराम को लागू करने में नाकाम रहे हैं, जो नियमित रूप से सीमा पार हमले कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि हक्कानी इस्लामाबाद के नियंत्रण से बाहर हो रहे हैं।

9/11 के बाद, वह ताकतवर जिहादी गढ़ धीरे-धीरे ढहने लगा। 2007 के अंत में, जब शांति के संकेत थे, अमेरिका ने ख्वास्ट से गार्देज़ तक एक नई सड़क बनाने के लिए 176 मिलियन डॉलर की परियोजना शुरू की, जो हक्कानी के सेनानियों ने सोवियत और अफगान सैनिकों पर हमले के लिए पहले इस्तेमाल की थी। इस परियोजना के लिए भारतीय ठेकेदारों को लगातार आतंकवादी हमलों का सामना करना पड़ा, जिससे काम रुक गया। समस्या तब हल हुई जब, हक्कानी नेटवर्क के लिए हर महीने 1 मिलियन डॉलर की मदद देने का इंतजाम किया गया। उस जिहादी नेता को, जिसे टेक्सास के कांग्रेसमैन चार्ली विल्सन ने 'संपूर्णता का प्रतीक' कहा था, अब वही देश मदद दे रहा था, जो अफगानिस्तान में जिहाद को खत्म करने के लिए आया था।

1970 के दशक से जलालुद्दीन अफगानिस्तान के समाजवादी शासकों के खिलाफ जंग लड़ रहे थे और अपनी लोया पख्तिया किलेबंदी से आईएसआई समर्थित इस्लामिक उग्रवादियों को उत्तरी-पूर्वी रास्ता देते थे। 1975 में आईएसआई समर्थित विद्रोह को दबा दिया गया था, लेकिन हक्कानी परिवार ने सोवियत संघ के खिलाफ जिहाद से फायदा उठाने की तैयारी कर ली थी, जो 1979 में शुरू हुआ। सीआईए के एक अधिकारी ने बाद में बताया कि अमेरिका और आईएसआई ने हक्कानी नेटवर्क को सैकड़ों मिलियन डॉलर की नकदी और सामरिक सामग्री दी। हक्कानी का ठिकाना ज़ावर दुनिया भर से लड़ाकों को आकर्षित करता था, जिनमें कश्मीरी जिहादी और वे लोग भी शामिल थे जिन्होंने बाद में अल-कायदा की शुरुआत की।

अफगान जिहाद के बाद और अमेरिकी मदद बंद होने के बाद, जलालुद्दीन ने अपने साम्राज्य को चलाने के लिए अरब जिहादियों पर ज्यादा निर्भर होना शुरू किया। 1992 में, जब मुजाहिदीन बलों ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया, तो उन्हें न्याय मंत्री बना दिया गया, लेकिन उन्होंने काबुल के सत्ता संघर्ष से दूर रहते हुए अपनी लोया पख्तिया किलेबंदी में शरण ली। हक्कानी नेटवर्क के लड़ाकों ने बाद में तालिबान का समर्थन किया, खासकर ताजिक मुजाहिदीन के खिलाफ, जिससे उनकी तालिबान में एक अहम जगह बन गई। 2001 में काबुल से पीछे हटने के बाद, जलालुद्दीन ने पाकिस्तान के मीरानशाह में अपनी साम्राज्य को फिर से खड़ा किया, जो खोस्त सीमा के दक्षिण में स्थित है। यह क्षेत्र हक्कानी के हथियारबंद लोगों द्वारा नियंत्रित एक छोटा सा अमीरात बन गया, जहां किसान और दुकानदारों से टैक्स लिया जाता था, जबकि आईएसआई से लगातार फंडिंग मिलती थी। विदेशी लड़ाके इस क्षेत्र में आते रहे—जिनमें 26/11 के हमलावर डेविड कोलमैन हेडली भी शामिल था। 2004 में, लेफ्टिनेंट जनरल परवेज अशफाक कियानी की अगुवाई में, आईएसआई ने तालिबान को फिर से समर्थन देना शुरू किया, ताकि काबुल में पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाई जा सके। हक्कानी नेटवर्क ने अफगानिस्तान में अपने रास्ते को सुरक्षित रखने के लिए खैबर-पख्तूनख्वा के कुर्रम इलाके में शिया-सुन्नी संघर्ष में भी भाग लिया। जलालुद्दीन के साथ मिलकर खलील हक्कानी ने कबीली बुजुर्गों से एक समझौता किया, जिसके तहत उनकी ज़मीन का सीमित इस्तेमाल किया जा सकता था। लेकिन यह समझौता टूट गया और पाकिस्तानी सेना ने वह इलाका हक्कानी नेटवर्क को दे दिया।

जैसे-जैसे जिहादी हमले बढ़ने लगे, तालिबान में भी शक्ति और संपत्ति को लेकर तनाव बढ़ने लगा। अमीर हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने तालिबान की सेना का संचालन हक्कानी और मुल्ला मुहम्मद उमर के बेटे मुहम्मद याकूब के बीच बांटने की कोशिश की, ताकि झगड़ा न हो। इससे हक्कानी को अपनी सेना पर नियंत्रण नहीं मिला, और उनका असंतोष बढ़ गया। 2021 में काबुल के गेट्स पर सबसे पहले पहुंचने वाले खलील और सिराजुद्दीन हक्कानी ने तालिबान की अफगान गणराज्य पर जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि खलील और सिराजुद्दीन मंत्री बने, लेकिन वे देश के बड़े शहरों पर नियंत्रण और वहां से होने वाली आय का फायदा नहीं उठा पाए।

पिछले साल, सिराजुद्दीन ने महिलाओं पर लागू की गई सख्त नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। इस्लामिक स्टेट ने अपनी ताकत कंधार, बामियान और अफगानिस्तान के उत्तर में हमलों पर केंद्रित की, जबकि हक्कानी नेटवर्क के इलाके पर हमला नहीं किया।

दिलचस्प बात यह है कि हक्कानी नेटवर्क और इस्लामिक स्टेट के बीच 2017 से एक सहयोग का इतिहास रहा है। 2018 के अंत में, हक्कानी नेटवर्क ने आईएसआई के साथ एक शांति समझौता कराया, जिसके तहत इस्लामिक स्टेट को पाकिस्तान में सुरक्षित स्थान मिला और बदले में पाकिस्तान में हमले रोकने की शर्त रखी गई। हालांकि खलील पर हमले के लिए एक इस्लामिक स्टेट के हत्यारे जिम्मेदार हो सकते हैं, लेकिन इसका असर दूसरे अमीरात के भीतर शक्ति संघर्ष को बढ़ाएगा। इस्लामिक स्टेट ने अफगानिस्तान में अपनी ताकत का फायदा उठाकर एक ठिकाना बना लिया है, जिससे वह दुनिया भर में हमले कर सकता है। खलील की मौत और उसके भाई की बढ़ती ताकत का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

प्रेम में सब कुछ मिला
तुमसे अपरिचित!
क्या हुआ जो मोगरे के फूल बालों में नहीं है
बात मेरी रात में जो है, उजालों में नहीं है
क्यों किसी की मांग का सिंदूर मुझको मुंह चिढ़ाता
जिस तरह मेरे हुए तुम, कौन तुमको जीत पाता
हो गई निश्चिंत मैं,
होकर अनिश्चित!
चैन जितना था तुम्हारे साथ, अब उतने सपन हैं
सब तुम्हारे बिन, तुम्हारे साथ होने के जतन हैं
हर किसी के द्वार पर जब चांद डेरा डालता है
हां, ज़रा सी देर मन अभिनय हँसी का टालता है
कर रही चुपचाप इक
आँसू विसर्जित!
लग रही है उम्र छोटी, याद तुमको कर रही हूं
मैं तुम्हारे नाम से हर एक अक्षर पढ़ रही हूं
संग तुम्हारे जोड़कर खुद को घटाऊं, किस तरह अब
तोड़कर तुमसे स्वयं को जोड़ पाऊँ, किस तरह अब
शून्य से अब हो चुकी
हूं, मैं अपरिमित!

- मनीषा शुक्ला

अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक

कांग्रेस ने कहा-10 महीने में 438 ट्रांसफर, काम कैसे होगा,अमित शाह के बयान पर हंगामा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन में अनुपूरक बजट पर चर्चा हो रही है। बजट में विभिन्न कार्यों के लिए 1111 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने चर्चा के लिए 4 घंटे का समय तय किया है। अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों के बीच नोकझोंक देखने को मिली।

कांग्रेस विधायकों ने कर्ज के मुद्दे पर सरकार को घेरा। साथ ही लगातार हो रहे ट्रांसफर को लेकर भी सवाल उठाए। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के कुशल प्रबंधन में मध्य प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। विकास का क्रम जारी है। यह अनुपूरक बजट उसी का क्रम है। अनुपूरक बजट लाया ही इसलिए जाता है ताकि विकास के कार्य निरंतर चलते रहें। विकास कार्य रुके नहीं।

438 ट्रांसफर मात्र 10 महीने में हो चुके- कटारे- इसमें उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा-438 ट्रांसफर मात्र 10 महीने में हो चुके हैं। इससे प्रशासनिक अराजकता की स्थिति बन गई है। कोई अधिकारी सो ही नहीं पा रहा। रात 12:00 बजे उसका ट्रांसफर हो जाता है तो वह कैसे सोएगा? अधिकारी आता है, काम शुरू करता है...फाइल खोलता है। 1 महीने में ही उसका ट्रांसफर हो जाता है। काम कैसे होगा?उन्होंने कहा- बजट पर चर्चा हो लेकिन बजट की कॉपी भी मिल जाए। ऐसी क्या स्थिति है कि सरकार को हर 15 दिन में कर्ज लेना पड़ रहा है। जनता पर लगातार कर्ज का बोझ बढ़ाया जा रहा है। सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि उनके पास कोई फाइनेंशियल प्लानिंग नहीं है।

अमित शाह के बयान पर विधानसभा में हंगामा-कांग्रेस विधायक फुंदेलाल मार्को ने कहा- मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन ये कहा गया कि अंबेडकर, अंबेडकर करते हो, इतना भगवान का नाम लिया होता तो कल्याण हो गया होता। इसके बाद जमकर पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस हुई। संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने हस्तक्षेप करते हुए कहा इस मामले पर जो कहा है उस पर चर्चा नहीं हो सकती। इसे रिकॉर्ड से निकाला जाए। मंत्री की बात सुनकर फुंदेलाल मार्को भड़क गए और कहा यदि रिकॉर्ड से निकाला जाएगा तो मैं इस सदन से बाहर चला जाऊंगा। इस बीच कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि मंत्री तुलसी सिलावट यहां बैठे हैं तो बाबा साहब अंबेडकर की वजह से बैठे हैं।

सिंघार बोले- यह दलितों का अपमान , जीतू ने एक्स पर लिखा- हम हजार बार लेंगे बाबा साहब का नाम

मध्य प्रदेश विधानसभा के तीसरे दिन विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह के डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए बयान का विरोध किया। प्रश्नकाल खत्म होने के बाद कांग्रेस के विधायकों ने अमित शाह के बयान पर आपत्ति जताते हुए माफी मांगने को कहा।बीजेपी के विधायकों ने इस बात का विरोध किया जिसके बाद सदन में शोर शराबा बढ़ गया। बढ़ती नारेबाजी के बाद सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा ने साफ कर दिया है कि वे संविधान और बाबा साहेब से नफरत करते हैं। वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा की हम बाबा साहब का नाम हजार बार लेंगे। दरअसल मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था– अगर वे (कांग्रेस) जितनी बार अंबेडकर का नाम लेते हैं, उतनी बार भगवान का नाम लेते तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिलती।

कमलनाथ बोले- बीजेपी के मंसूबे सामने आए

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि भाजपा के मंसूबे अब सामने आ गए हैं। संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर का संसद में अपमान कर भाजपा ने साफ कर दिया है कि वे संविधान और बाबा साहेब से नफरत करते हैं। डॉ अंबेडकर को करोड़ों लोग भगवान की तरह पूजते हैं। देश की जनता इस कृत्य को कभी माफ नहीं करेगी।

22,460 करोड़ के अनुपूरक बजट से मोहन सरकार ने भर दी विभागों की झोली

सबसे ज्यादा केन बेतवा के लिए आया फंड

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया है। बजट की कुल राशि 22460 करोड़ रुपए है। सरकार वित्तीय वर्ष के दौरान अनुपूरक बजट पेश करती है। यह बजट अतिरिक्त खर्चों को पूरा करने के लिए होता है। यह बजट किसी विभाग या मंत्रालय को आम बजट से अलग अतिरिक्त राशि प्रदान करता है। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में डॉ मोहन यादव सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया है। यह 22,460 करोड़ रुपये का है। उप मुख्यमंत्री (वित्त) जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में वर्ष 2024-25 में विभागों को आवश्यक अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने के लिए प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। इस अनुपूरक बजट में केन-बेतवा परियोजना के लिए 900 करोड़ रुपए, लाड़ली बहना योजना के लिए 465 करोड़ और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

केन- बेतवा के लिए 900 करोड़

इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों के लिए धन आवंटित किया गया है। सरकार की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के 900 करोड़ रुपये का प्रावधान है। गौरतलब है कि इसका भूमिपूजन करने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसंबर को मध्य प्रदेश आएंगे। वहीं, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए 600 रुपए का प्रतीकात्मक प्रावधान रखा गया है।

लाड़ली बहना को 456 करोड़ रुपए- लाड़ली बहना योजना के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को 456 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन दिया गया है। इस अनुपूरक बजट से ऊर्जा विभाग को 8,763 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इस राशि में 280 करोड़ रुपये टैरिफ अनुदान और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए प्रावधान हैं। वहीं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल पहुंचाने के कार्यक्रम को गति देने और ग्रामीण समूह जल प्रदाय के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 3,515 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।

कांग्रेस बोली- संविधान ग्रंथ तो अंबेडकर भगवान

● मोदी बोले- नेहरू ने बाबा साहेब के खिलाफ प्रचार किया, कांग्रेस ने भारत रत्न नहीं दिया ● दोनों सदन पूरे दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद बढ़ गया है। विपक्ष ने गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस ने शाह के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, 'शाह ने दलित शख्सियत का अपमान किया है।' उधर, कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि अगर संविधान ग्रंथ है तो अंबेडकर भगवान हैं।

इन बयानों के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को जवाब दिया। मोदी ने एक्स पर 6 पोस्ट किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब अंबेडकर पर नाटक कर रही है। पंडित नेहरू ने चुनाव में अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। उन्हें भारत रत्न देने से कांग्रेस ने इनकार किया। एससी-एसटी पर सबसे ज्यादा नरसंहार कांग्रेस के शासन काल में हुए हैं।

● शिवराज बोले- कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा– कांग्रेस ने कभी डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का सम्मान नहीं किया, उन्हें हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश की। कल सदन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबेडकर और दलित समाज के प्रति जब अपनी बात रखी तो कांग्रेस के पेट में दर्द होना शुरू गया।

कांग्रेस का कुत्सित प्रयास मेरा बयान तोड़ा-मरोड़ा

● खरगे साहब, मेरे इस्तीफे से आपकी दाल नहीं गलने वाली...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया है। शाह ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस नेताओं के बयान निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद आरक्षण विरोधी, संविधान विरोधी है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सावरकर विरोधी है। शाह ने एक बार फिर इमरजेंसी का हवाला देते हुए संविधान के अपमान की बात कही। खरगे की तरफ से इस्तीफे की मांग पर शाह ने कहा कि अगर खरगे साहब को मेरे इस्तीफे से खुशी होती है तो मैं इस्तीफा दे दूंगा लेकिन मेरे इस्तीफे से खरगे साहब की दाल नहीं गलेगी। शाह ने कहा, मैं खरगे साहब को कहना चाहता हूं आप अभी जहां हैं वहां, आपको 15 साल तक बैठना है। शाह ने कहा कि संविधान पर कांग्रेस का सच जब उजागर हो गया है तो कांग्रेस समाज में भ्रांति फैलाने का कुत्सित प्रयास किया है।

रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाई

पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से नागरिकों को मुफ्त लगाएंगे; यह सदी की सबसे बड़ी खोज

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी। रूसी न्यूज एजेंसी टास के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा। डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी एमआरएनए वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है।इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

क्या होती है एमआरएनए वैक्सीन- एमआरएनए या मैसेंजर

आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो द्वत्रह्न टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है। इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरूवार, 19 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

किसानों ने पंजाब में 3 घंटे रेलवे ट्रैक जाम किए

● चंडीगढ़ में एसकेएम की इमरजेंसी मीटिंग, डल्लेवाल को समर्थन पर फैसला

लुधियाना/जालंधर/मोहाली (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में आज किसानों ने पंजाब में 3 घंटे रेलवे ट्रैक जाम किए। किसान दोपहर 12 बजे 48 जगहों पर ट्रैक पर बैठ गए। 3 बजते ही किसानों ने ट्रैक खाली कर दिए। रेलवे ट्रैक जाम होने से दिल्ली-पठानकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस को लुधियाना के ढंडारी कलां में रोकना पड़ा। कुछ ट्रेनों को कैंसिल तो कुछ को डायवर्ट भी करना पड़ा। किसानों के प्रदर्शन से करीब 60 ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट बोला-

प्रदर्शनकारी सीधे हमारे पास आएं

● अनशन कर रहे डल्लेवाल पर कहा- वे जननेता, उनका स्वस्थ रहना जरूरी, तुरंत इलाज कराएं

पटियाला (एजेंसी)। किसान आंदोलन पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसानों के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। वे सीधे अपने सुझाव या मांगें लेकर हमारे पास आ सकते हैं या अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत पर भी पंजाब सरकार से जवाब मांगा। पंजाब के अटॉर्नी जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा, डल्लेवाल के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट करवाने से इनकार कर दिया है। उनके सभी जरूरी अंग सही तरह से काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अश्विन ने अचानक लिया संन्यास

सीरीज बीच में छोड़कर लौटेंगे घर

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। उन्होंने गाबा टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। अश्विन कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे और वहां इसकी घोषणा की। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुके अश्विन- 38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है।

गेटवे ऑफ इंडिया के पास फेरी बोट पलटी, 13 की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के नजदीक फेरी बोट के पलटने की घटना सामने आई है। यह बोट टूरिस्ट को एलीफेंटा ले जा रही थी। तभी इस नाव का संतुलन बिगड़ गया। वीडियो में काफी लोगों के सवार होने की पुष्टि हुई है। मुंबई पुलिस और भारतीय नौसेना बचाव अभियान चला रही है। अभी तक 13 यात्रियों की मौत की पुष्टि की गई है। नाव में कुल 56 यात्री सवार थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि रेस्क्यू ऑपरेशन सभी एजेंसियों को काम पर लगा दिया गया है। फेरी बोट हादसे में अभी तक 21 लोगों को बचा लिया गया है। प्रशासन ने एक मौत की पुष्टि की है। अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। रेस्क्यू किए गए लोगों को उपचार के लिए भेजा गया है। काफी लोग बुरी तरह से डरे हुए हैं। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि नाव एलीफेंटा जा रही थी।

वन नेशन-वन इलेक्शन जेपीसी के लिए प्रियंका का नाम

कांग्रेस ने 3 और सांसदों को नॉमिनेट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश, एक चुनाव के लिए संसद में मंगलवार को पेश हुए 129वां संविधान (संशोधन) बिल की समीक्षा के लिए बनने वाली जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हो सकती हैं। कांग्रेस ने जेपीसी के लिए चार सांसदों के नाम नॉमिनेट किए हैं। इनमें प्रियंका के अलावा मनीष तिवारी, रणदीप सिंह सुरजेवाला और सुखदेव भगत सिंह शामिल हैं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने साकेत गोखले और कल्याण बनर्जी का नाम आगे बढ़ाया है।

अंबेडकर-अडाणी-मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

● यूपी में यूथ कांग्रेस महासचिव की मौत ● राजस्थान में गहलोत-पायलट एक मंच पर आए; बिहार में पुलिस ने पैदल मार्च रोका

नई दिल्ली/जयपुर/पटना (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी अमित शाह के अंबेडकर पर दिए बयान, अडाणी मुद्दे और मणिपुर हिंसा को लेकर आज देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रही है।

पार्टी सभी राज्यों के राजभवन तक मार्च निकाल रही है। राजस्थान के जयपुर में कांग्रेस के प्रदर्शन में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एक मंच पर नजर आए। बिहार के पटना में कांग्रेस के राजभवन मार्च को पुलिस ने रोक दिया। वहीं प्रदर्शन के दौरान यूपी में यूथ कांग्रेस महासचिव की मौत हो गई।

हैदराबाद में कांग्रेस ने नेकलेस रोड स्मारक से राजभवन तक 'चलो राज भवन' रैली निकाली- तेलंगाना के हैदराबाद में कांग्रेस ने नेकलेस रोड स्मारक से राजभवन तक 'चलो राज भवन' रैली निकाली। जम्मू में जेकेपीसीसी के अध्यक्ष तारिक हमीद और हैदराबाद में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में मार्च निकाला गया।

असम के गुवाहटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन- असम के गुवाहटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजभवन के बाहर प्रदर्शन करते हुए बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश की।

पटना में राजभवन मार्च को प्रशासन ने रोक दिया

बिहार के पटना में कांग्रेस पार्टी के राजभवन मार्च को प्रशासन ने रोक दिया है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस से धक्का-मुक्की भी की। मार्च रोकने के बाद विरोध में पार्टी के कार्यकर्ता बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने कारोबारी गौतम अडाणी की गिरफ्तारी की मांग और मणिपुर हिंसा को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की।

राजस्थान -कांग्रेस ने पैदल मार्च कर राजभवन का घेराव किया -राजस्थान के जयपुर में कांग्रेस ने पैदल मार्च कर राजभवन का घेराव किया जाएगा। सचिन पायलट ने कहा कि कौन नेता आया, नहीं आया। इधर-उधर की बातें छोड़ो। सब एक हैं। एक साथ लड़ेंगे और चार साल बाद सरकार लेकर आएंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- अंबेडकर का नाम लेना फैशन है तो हम यह फैशन करेंगे। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि विपक्ष लंबे समय से अडाणी मामले में जेपीसी बनाने की मांग कर रहा है।

हिमाचल -राजभवन तक मार्च निकाला- हिमाचल प्रदेश के शिमला में कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता में होटल राहत से राजभवन तक मार्च निकाला। प्रतिभा सिंह ने कहा- डेढ़ साल से मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। वहां पर महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और अराजकता का माहौल बना हुआ है। बड़ी संख्या में लोगों की जानें जा चुकी हैं। लेकिन प्रधानमंत्री को इसकी कोई चिंता नहीं हैं।

कांग्रेस के प्रदर्शन में कार्यकर्ता की मौत, यूथ विंग का यूपी महासचिव था

लखनऊ में मंगलवार को कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई। मरने वाला प्रभात पांडेय (30) मूल रूप से गोरखपुर का रहने वाला था।

डेढ़ साल से लखनऊ में रह रहा था। प्रभात पांडेय यूथ कांग्रेस का प्रदेश महासचिव रह चुका है। उसकी मौत सिर के पीछे की तरफ चोट लगने से हुई है। शव को सिविल अस्पताल भेजा गया है।यह खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सिविल अस्पताल पहुंच गए। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने प्रदर्शन को रोकने के लिए नुकीली कीलें लगवाई थीं।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच कराई जाए। सरकार युवक के मौत की जिम्मेदार है। यह मौत नहीं हमारे कार्यकर्ता की हत्या है।

मुखौटा उतर गया..., शाह की टिप्पणी पर ममता का निशाना, कहा- जानबूझकर किया अपमान

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आंबेडकर पर शाह की टिप्पणी भाजपा की जातिवादी और दलित विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह उन लाखों लोगों का अपमान है जो मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए आंबेडकर की ओर देखते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि एक ऐसी पार्टी से और क्या उम्मीद की जा सकती है।

मेले में वनोपज एवं हर्बल उत्पाद की 10 लाख से अधिक की बिक्री

नर्सरी के औषधीय पौधे आकर्षण का केन्द्र

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय वन मेला-2024 में वनोपज एवं हर्बल उत्पाद की अभी तक 10 लाख से अधिक की बिक्री हुई है। आगंतुकों के लिये नर्सरी के औषधीय पौधे आकर्षण का केन्द्र रहे। वन मेले की लोकप्रियता से राजधानी ही नहीं वरन् आसपास के जिलों से लोग मेले में आ रहे हैं। मेले में स्थापित ओपीडी में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों और अनुभवी वैद्यों ने निःशुल्क सेवाएं दी। अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में लघु वनोपज, प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केन्द्र के विन्ध्य हर्बल ब्राण्ड उत्पादों जैसे शहद, च्यवनप्राश एवं त्रिकुट को उनके प्रभावी असर एवं गुणवत्ता की वजह से काफी सराहा जा रहा है। प्रधानमंत्री वन-धन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों में संचालित वन धन केन्द्रों के उत्पादों की मेले में बिक्री के प्रति लोगों का बहुत रूझान रहा। इन उत्पादों में महुए एवं देशी मोटे अनाज (मिलेट्स) के प्रति बढ़ती लोकप्रियता ने देशी महुए के लड्डू, अचार, महुआ कुकीज, कोदो-कुटकी, अलसी लड्डू, तिल लड्डू, देशी मक्का कुकीज, आंवला पाचक ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। आगंतुकों ने बड़ी उत्सुकता के साथ इन उत्पादों को खरीदा।

नदियों के संगम से मध्यप्रदेश-राजस्थान को मिलेगा जल-शक्ति का सदा-उर्वरा आशीष : मुख्यमंत्री

शस्य-श्यामला होगी प्रदेश की 6.13 लाख हेक्टेयर भूमि, लाखों लोगों की बुझेगी प्यास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पानी का स्पर्श सदैव ऊर्जादायक रहा है। नदियों का संगम भूमि को पावन बनाने के साथ ही सभ्यताओं को नवजीवन भी देता रहा है। पार्वती-कालीसिंध- चंबल (पीकेसी) परियोजना के लिए एमओए और आधारशिला रखे जाने के अवसर को उन्होंने ऐतिहासिक और अदभूत बताया। डॉ. यादव ने दोनों प्रदेशों की 20 साल की प्रतीक्षा समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए उन्हें आधुनिक युग के भगीरथ की संज्ञा दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी समारोह में संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 'लाड़ला' कहा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान को सिंचाई का पानी भी मिलेगा और पेयजल भी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पीकेसी परियोजना दोनों राज्यों की नदियों को सदानीरा बनाए रखेगी, इससे इन नदियों से संबद्ध भूमि शस्य-श्यामला बनेगी। पीकेसी परियोजना से मध्यप्रदेश को 3,000 और राजस्थान को 4,103 एमसीएम (मिलियन क्यूबिक मीटर) पानी मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल की मौजूदगी में केन्द्र सरकार और दोनों राज्य सरकारों के अधिकारियों द्वारा परियोजना के लिए 17 दिसंबर 2024 को एमओए के साथ योजना के प्रथम चरण की आधारशिला रखी गई। परियोजना का क्रियान्वयन आगमी 8 वर्षों में किये जाने का लक्ष्य है।

मध्यप्रदेश के इन जिलों को मिलेगा लाभ- पीकेसी परियोजना से प्रदेश के गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, देवास, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों में 22 परियोजनाओं से 3217 गांवों को लाभ मिलेगा। परियोजना के अंतर्गत 17 बांध एवं 4 बैराज समेत 21 जल संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। मालवा और चंबल क्षेत्र की 6.13 लाख हेक्टेयर भूमि हरीभरी हो जाएगी। साथ ही 40 लाख से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा।

पुरानी चंबल दायीं मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली का होगा नवीनीकरण- पीकेसी परियोजना में लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दायीं मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली का नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण भी किया जाएगा। इससे मध्यप्रदेश भिंड, मुरैना एवं श्योपुर के 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जायेगा।

25 दिसम्बर को मिलेगी केन-बेतवा परियोजना की सौगात- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 25 दिसम्बर 2024 को मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री श्री मोदी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी खजुराहों (छतरपुर) में योजना के प्रथम चरण का शिलान्यास करेंगे। इससे मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड अंचल के लोगों को सिंचाई और पेयजल प्राप्त होगा।

सीएम छतरपुर में किसान सम्मेलन सह जनकल्याण पर्व में होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार 19 दिसंबर 2024 को छतरपुर जिले के सटई स्टेडियम प्रांगण में केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 11 से 26 दिसम्बर तक जन-कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 3 बजे पन्ना के पॉलिटेक्निक ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। पन्ना में जल-कलश यात्रा, संत सम्मेलन और लोक कल्याण शिविर होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग की समीक्षा बैठक की।

पंजाब के फरीदकोट में पारा 0 डिग्री, राजस्थान के करौली में 1.3 डिग्री

● कश्मीर में झरना जमा, देश के 35 सबसे ठंडे शहरों में 10 मध्य प्रदेश के

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर (एजेंसी)। देश के 8 राज्यों में तापमान में गिरावट जारी है। राजस्थान के करौली में तापमान 1.3 डिग्री पहुंच गया। सीकर, उदयपुर समेत कई जगहों पर गाड़ियों पर बर्फ जम गई। यहां 4-5 दिन तक सर्दी और शीतलहर जारी रहेगी। उधर, पंजाब में भी ठंड का काफी असर है। फरीदकोट में पहली बार रात का पारा 0 डिग्री तक पहुंचा। अबोहर में पारा 0.9 डिग्री रहा। पंजाब के दिन के औसत तापमान में आधा डिग्री की गिरावट आई है। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में पारा माइनस से नीचे चल रहा है। श्रीनगर में डल झील सहित कई जलाशय जमने लगे हैं। बारामूला जिले के तंगमर्ग में 30 मीटर ऊंचा द्रंग झरना ठंड के चलते जम गया है। कश्मीर के श्रीनगर और गुलमर्ग जैसे देश के 35 सबसे ठंडे शहरों में मध्य प्रदेश के भी 10 शहर शामिल हैं। पचमढ़ी 11वें स्थान पर है। यहां तापमान 1.6 डिग्री तक पहुंच गया है। भोपाल में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया। यहां लगातार चौथे दिन शीतलहर चली, जो एक नया रिकॉर्ड है। दिसंबर में इससे पहले लगातार 4 दिन शीतलहर कभी नहीं चली है।

भतीजा बना 'राक्षस', बुआ को बना दिया 'सूर्पनखा'

राजस्थान में जमीन का मसला

जालोर (एजेंसी)। भारत में नाक काटने का जिक्र आते ही रामायण काल की सूर्पनखा का विवरण किया जाता है। लेकिन राजस्थान के जालोर जिले में जमीनी विवाद को लेकर एक भतीजे ने अपनी बुआ की नाक काट देने का हैरान करने वाला कृत्य कर दिया है। उसने अपनी बुआ की चाकू से नाक काट कर अलग कर दिया। इस दौरान चाकू के हमले से पीड़िता बुरी तरह लहूलुहान हो गई, जिसे बाद में उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इधर, मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

हैरान कर देने वाला यह मामला जालोर के सायला थाना क्षेत्र का है, जहां मोकणी गांव में पीड़ित बुआ और भतीजे के बीच जमीनी विवाद सामने आया। जानकारी के अनुसार पीड़ित बुआ कुकी देवी जमीन के मामले को लेकर मोकणी गांव में अपने भाई के पास गई। बताया जा रहा है कि पीड़ित महिला के प्लाट पर भतीजे ओमप्रकाश ने कब्जा कर रखा था।

दो दिवसीय दौरे पर कुवैत की जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

43 सालों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा होगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे और किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह 43 वर्षों में इस खाड़ी देश की पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि यह यात्रा भारत और कुवैत के बीच 'बहुआयामी' संबंधों को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। मोदी, कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर यह यात्रा कर रहे हैं। यात्रा के दौरान मोदी कुवैत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय का बयान -विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारत और कुवैत के बीच ऐतिहासिक समय से पारंपरिक रूप से घनिष्ठ तथा मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।'' इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1981 में कुवैत का दौरा किया था। भारत, कुवैत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है और भारतीय समुदाय कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''यह यात्रा भारत और कुवैत के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

कुवैत भारत का छठा कच्चा तेल सप्लायर

कुवैत, भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10.47 अरब अमरीकी डॉलर रहा। कुवैत, भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को तीन प्रतिशत तक पूरा करता है। अमीर शेख सबाह अल अहमद अल जाबर अल सबाह जुलाई 2017 में निजी यात्रा पर भारत आए थे। इससे पहले 2013 में कुवैत के प्रधानमंत्री ने भारत की उच्च स्तरीय यात्रा की थी।

इंदौर में एमपीपीएससी न्याय यात्रा शुरू

डीडी पार्क से सड़कों पर उतरे सैकड़ों अभ्यर्थी एनईबाईयू के बैनर तले कर रहे प्रदर्शन

इंदौर (नप्र)। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन एनईबाईयू के बैनर तले बुधवार सुबह एमपीपीएससी न्याय यात्रा शुरू हुई। भंवरकुआं के समीप स्थित डीडी पार्क से शुरू हुई यात्रा में सैकड़ों की तादाद में अभ्यर्थी शामिल हुए हैं। ये यात्रा लोक सेवा आयोग तक जाएगी। अभ्यर्थी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मांग और नारे लिखे बैनर पहन कर यात्रा में शामिल हुए कई अभ्यर्थी।

18 दिसंबर से एक महा आंदोलन की शुरुआत- एनईबाईयू की राष्ट्रीय कोर कमेटी के राधे जाट ने बताया कि 18 दिसंबर से एमपीपीएसी को लेकर एक महाआंदोलन की शुरुआत होने जा रही है। डीडी पार्क से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आयोग का घेराव करने और ज्ञापन देने जाएंगे। विभिन्न मार्गों से होते हुए अभ्यर्थी लोक सेवा आयोग के कार्यालय पहुंचेंगे।

जगह-जगह की अनाउंसमेंट

इस यात्रा में अभ्यर्थियों को शामिल करने के लिए भंवरकुआं इलाके में माइक के माध्यम से अनाउंसमेंट भी की गई, ताकि एमपीपीएसी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को इस न्याय यात्रा के बारे में जानकारी मिल सके और वे इसमें शामिल हो सकें।

ईडी को 4.5 करोड़ कैश-हथियार मिले

खुद का क्रिप्टो-कॉइन लाने की तैयारी में था कांग्रेस नेता गोलू अग्निहोत्री, पाकिस्तान कनेक्शन भी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में कांग्रेस नेता गोलू अग्निहोत्री के यहां ईडी की सर्चिंग लगातार जारी है। बुधवार को भी टीम सुबह से सर्चिंग कर रही है। ईडी के अधिकारी 8 दिन से लगातार अलग-अलग ठिकानों पर छापा मार कार्यवाही कर रहे हैं। कांग्रेस नेता गोलू (विशाल) अग्निहोत्री के अलावा इंदौर के ही विपुल अग्रवाल और तरुण श्रीवास्तव सहित 24 स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार पूरी कार्रवाई में अब तक लगभग साढ़े चार करोड़ रुपए कैश मिल चुका है। वहीं सोने-चांदी समेत कई कीमती चीजों की कीमत का आकलन किया जा रहा है। गोलू अग्निहोत्री अभी भी ईडी की हिरासत में हैं। बताया जा रहा है कि अग्निहोत्री के यहां आज भी कार्रवाई जारी रहेगी। ईडी के छापे में अवैध हथियार भी मिले हैं।

लसूड़िया इलाके की सिंगापुर टाउनशिप में सर्चिंग के दौरान तरुण श्रीवास्तव के बंगले से यह हथियार बरामद किए गए हैं। ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रियांकुश की टीम गोलू अग्निहोत्री से जुड़े तरुण राजेंद्र श्रीवास्तव के घर सिंगापुर टाउनशिप में भी सर्चिंग कर रही है। तरुण के खिलाफ फेमा, क्रॉस बॉर्डर इंटरनेशनल कनेक्शन, हवाला, बैटिंग और डिब्बा कारोबार की जांच चल रही है।

ईडी के मुताबिक टीम को तरुण के घर सर्चिंग के दौरान एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन और पांच कारतूस मिले हैं। इस मामले में मंगलवार देर रात लसूड़िया थाना पुलिस ने तरुण के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। तरुण फिलहाल मुंबई में है। उसकी पत्नी और भाई से पूछताछ जारी है। ईडी ने अंकित (लसूड़िया), विनोद मित्तल (जानकी नगर) के घर भी सर्चिंग की है।

विशाल (गोलू) अग्रिहोत्री, कांग्रेस नेता

पाकिस्तान से जुड़े इंदौर में हुई सर्चिंग के तार- ईडी की अहमदाबाद टीम ने क्रिकेट सट्टेबाजी को लेकर दिल्ली, मुंबई और पुणे में 10 से 12 दिसंबर तक 21 ठिकानों पर छापा मार कार्रवाई की थी। ये कार्रवाई मेजिकबिन क्रिकेट बैटिंग साइट से जुड़ी थी। इस साइट के कर्ताधर्ता पाकिस्तान से हैं और इसे भारत के लोग दुबई में बैठकर संचालित करते हैं।

इस छापे में मिले लिंक और सबूतों के बाद ही ईडी की टीम ने इंदौर में गोलू अग्निहोत्री को पकड़ा है। साथ ही उसके साथी विपुल अग्रवाल, तरुण श्रीवास्तव के यहां भी ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है।

जांच में यह भी सामने आया था कि मेजिक बिन साइट चलाने वालों ने सट्टे में जमकर मुनाफा कमाने के लिए टी-20 वर्ल्ड कप मैच की गैर कानूनी तरीके से ब्रॉडकास्टिंग भी की थी। यह पूरा काम दुबई में बैठकर किया गया। क्रिकेट के अलावा भी यह साइट कई और तरीके की सट्टेबाजी करती है। इसमें मूल रूप से सारा काम क्रिप्टो के जरिए हो रहा है। हवाला के जरिए मनी ट्रांसफर की जा रही है। मनी ट्रांसफर के लिए फर्जी शैल कंपनियों और बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में यह भी पता चला है कि वेबसाइट पर दिखाया जा रहा सट्टेबाजी का खेल मूल रूप से फिलीपींस और अन्य देशों में खेला जाता हैं। वहां पर ये खेल सट्टेबाजी गतिविधियों की अनुमति देते हैं। हालांकि मूल गेम के एपीआई की नकल कर इसे 'मेजिन बिन' वेबसाइट पर दोबारा प्रसारित किया जाता है। इसके बाद सट्टेबाजी गतिविधियां ऑपरेट की जाती हैं।

क्रिप्टो कॉइन लाने की थी तैयारी

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस नेता विशाल (गोलू) अग्निहोत्री खुद का क्रिप्टो कॉइन लाने की तैयारी में था।यह भी पता चला है कि दुबई में कांग्रेस नेता की ओर से कई कंपनियां रजिस्टर्ड करवाई गई हैं।यह कंपनियां उसने अपने कर्मचारी और परिचितों के नाम पर बनाई हैं। गोलू ने कई परिचितों को अपने साथ दुबई की सैर भी कराई थी।जांच के दौरान कांग्रेस नेता के लैपटॉप के साथ इलेक्ट्रानिक दस्तावेज ईडी ने जब्त किए हैं। ईडी गोलू के अन्य करीबियों को भी जांच के दायरे में लेने की तैयारी कर रही है। गोलू अग्निहोत्री के यहां से मंगलवार को ईडी के हाथ कुछ शैल कंपनियों के दस्तावेज लगे हैं। अधिकारियों का एक और दल इंदौर पहुंचा है। कुछ कर्मचारी और नौकरों से भी पूछताछ की गई।एक दल सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप के एक फ्लैट में भी जांच के लिए गया। हालांकि ईडी ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

6 महीने से ईडी के रडार पर था गोलू अग्निहोत्री- सूत्रों के मुताबिक गोलू अग्निहोत्री का पांच साल का डेटा तैयार किया जा रहा है। पता लगा रहे हैं कि पैसा कहां से आया और कहां-कहां निवेश किया गया। मुंबई, पुणे में भी गोलू के ऑफिस हैं। वहां पार्टनर हैं। उनकी भी जांच की जा रही है। दुबई में कितना पैसा लगाया, कहां से आया, इसकी कुंडली भी बनाई जा रही है।

पत्नी को 40 हजार में बेचा, दो बच्चे भी छोड़ दिए

खरीददार ने 70 हजार में दूसरे को बेचा, अब इंदौर के रेस्क्यू सेंटर में रह रही

इंदौर (नप्र)। एक शख्स ने अपनी 33 वर्षीय पत्नी को 40 हजार रुपए में बेच दिया। बेटा-बेटी को भी नहीं अपनाया। खरीदार ने उससे शादी की, फिर सालभर साथ रखने के बाद तीसरे शख्स को 70 हजार में बेच डाला। तीसरे शख्स ने शादी नहीं की। मारपीट कर यौन शोषण करता रहा।

कई दिनों तक यातना झेलने के बाद महिला ने कैद से निकलने की ठान ली। बेटा-बेटी को साथ लिया और छिपते-छिपाते भोपाल पहुंच गई। यहां एक आदमी ने मदद का वादा किया। उस पर भरोसा कर महिला बच्चों के साथ उसके पास रहने आ गई।

लगा कि अब जिंदगी में थोड़ा सुधार आएगा, लेकिन वही कहानी फिर दोहराई जाने लगी। चौथा शख्स मारता-पीटता, शोषण करता। बच्चों को परेशान करता था। महिला फिर भागी लेकिन इस बार 6 साल का बेटा कहीं छूट गया। वह 13 साल की बेटी को लेकर इंदौर आ गई। बड़ा गणपति इलाके में मां-बेटी भीख मांगकर गुजारा करने लगीं।

इसी साल 28 फरवरी को एक सामाजिक संस्था ने दोनों को रेस्क्यू किया। परदेशीपुरा के पुनर्वास केंद्र पहुंचाया। पुनर्वास केंद्र की टीम को महिला को सदमे से उबारने में लंबा समय लग गया। वह अभी भी डिप्रेशन से पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई है। हालांकि, यहां रहकर बच्ची मेहंदी लगाना, पेंटिंग करना सीख चुकी है।

सुरक्षा का भरोसा दिलाने में काफी समय लग गया- सामाजिक संस्था 'प्रवेश' की टीम ने महिला और उसकी बेटी को रेस्क्यू किया था। दोनों काफी सहमे हुए थे। महिला तो टीम के पुरुषों को देखते ही घबराकर दूर भागने लगी।

टीम समझा-बुझाकर दोनों को पुनर्वास केंद्र लाई। यहां दोनों से कई बार पूछताछ की कोशिश की गई लेकिन महिला डिप्रेशन में थी। वह सिर्फ इधर-उधर देखती रहती थी। बुंदेलखंडी में जो कुछ बोलती थी, अस्पष्ट था। बच्ची की हालत भी लगभग ऐसी ही थी। एक हफ्ते तक दोनों से कुछ खास पता नहीं चल सका। अन्य महिलाओं के साथ रहकर वह थोड़ी सहज हुई। ऑब्जर्व करने पर पता चला कि उसके साथ कुछ गलत हुआ है।

बच्ची से पूछा तो उसने बताया कि पिता मां, उसे और छोटे भाई को खूब मारते-पीटते थे। उन्होंने मां को बेच दिया था। इस पर टीम ने महिला का मेडिकल चेकअप कराया। इसमें शारीरिक शोषण का खुलासा हुआ। हालांकि, बच्ची के साथ कुछ गलत नहीं पाया गया।

परिजन ने टीकमगढ़ में की थी शादी- 'प्रवेश' की फाउंडर रूपाली जैन के मुताबिक, महिला से अब तक यही पता चला है कि वह छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के पास किसी गांव की रहने वाली है। परिवार गरीब है। 14-15 साल पहले परिजन ने उसकी शादी टीकमगढ़ में की थी।

थाने गई तो पुलिस ने भगा दिया

रुपाली के मुताबिक, महिला और बच्ची दोनों पढ़े-लिखे नहीं हैं। पुनर्वास केंद्र में बच्ची को मेहंदी लगाना, पेंटिंग की ट्रेनिंग दी गई है। बच्ची ने बताया कि वह पढ़ना चाहती है। अगले साल उसका स्कूल में एडमिशन कराया जाएगा। मीडिया ने महिला और बच्ची से बात की। महिला बातचीत से घबराती रही। उसने जिस भाषा में सवालों के जवाब दिए, वह समझ नहीं आई। कई बार पूछताछ में उसने अपनी भाषा में आपबीती सुनाई। यह भी बताया कि एक-दो बार थाने भी गई तो पुलिस ने उसे भगा दिया।

मदद करने के नाम पर किया शोषण

तीसरे व्यक्ति ने भी महिला और बच्चों पर अत्याचार करने शुरू कर दिए। वह भी शराबी था। एक दिन महिला मौका पाकर अपने बच्चों के साथ घर से निकल गई और भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंची। यहां उसे कय्यूम मिला। बोला, मैं तुम्हारी मदद करता हूं।

इंदौर के लालाराम नगर में अवैध हॉस्टल जमींदोज

● रहवासी इलाके में 3 हजार वर्गफीट पर अवैध तरीके से बना था

इंदौर (नप्र)। इंदौर नगर निगम ने लाला राम नगर में 3 हजार वर्ग फीट पर बने अवैध हॉस्टल को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई बुधवार सुबह की गई। यह हॉस्टल रहवासी इलाके में बना था और यहां व्यवसायिक गतिविधियां की जा रही थी। नोटिस देने के बाद नगर निगम की टीम जोन क्रमांक 11 स्थित लालाराम नगर पहुंची। उपायुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि जोन क्रमांक 11 के वार्ड क्रमांक 48 के लालाराम नगर आवासीय क्षेत्र में यह अवैध हॉस्टल बना था। नक्शे के विपरीत 3 हजार वर्ग फीट में बने इस हॉस्टल को बुधवार सुबह 3 पोकलेन, 1 जेसीबी के माध्यम से जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी गीतेश तिवारी, भवन निरीक्षक जीशान चिश्ती, रिमूवल विभाग के विनय तिवारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस दल एवं रिमूवल दल मौजूद था।

इंदौर कांग्रेस का मधुमिलन चौराहे पर अनोखा प्रदर्शन

डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला लगा, महापौर भार्गव से की अपील, कहा- जल्द चौराहे का विकास करें

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बुधवार को कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मधुमिलन चौराहे पर डोनाल्ड ट्रंप का पुतला बनाकर महापौर से जल्द से जल्द मधुमिलन चौराहे को ठीक करने की अपील की। दरअसल, मधु मिलन चौराहे पर लंबे समय से निर्माण कार्य होनेके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके विरोध में बुधवार को कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले के माध्यम से महापौर पुष्यमित्र भार्गव से चौराहे का काम तत्काल पूरा किए जाने की अपील की है। इंदौर जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने कहा कि, 2 साल से अपनी दुर्दशा पर मधु मिलन चौराहा रो रहा है। हजारों नागरिक रोजाना परेशान हो रहे हैं। कभी सड़क खोद दी जाती है, कभी ट्रैफिक डायवर्शन किया जाता है, कभी कोई नया प्रयोग किया जाता है। निगम द्वारा चौराहे को जंतर मंतर चौराहा बना दिया गया है। जिसमें एक बार फंसने के बाद व्यक्ति को यह समझ में नहीं आता कि मुझे जाना कहां है और निकालना कहां है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा की दुर्दशा की जा रही है। नगर निगम और महापौर पुष्य मित्र भार्गव को आम जनता रहवासी कई बार आग्रह कर चुके हैं, लेकिन, कोई भी उचित कदम नहीं उठाया जा रहा है। शहर के पुराने और बड़े चौराहों में से एक मधुमिलन चौराहे पर लंबे समय से कार्य चल रहा है।

2 साल से चल रहा मधु मिलन चौराहा संवारने का काम

नगर निगम द्वारा मधुमिलन चौराहे को संवारने का काम 2 साल से चल रहा है। लगभग सवा चार करोड़ की लागत से पूरे चौराहे को संवारा जा रहा है। यहां अलग-अलग स्थानों के लैफ्ट टर्न चौड़े किए जा रहे है। यहां दवा बाजार से लेकर आरएनटी मार्ग, एमवाय, छावनी, सरवटे और ग्वालटोली की सड़कों से होकर बड़े पैमाने पर दिनभर वाहन गुजरते हैं।

छह मार्ग मिलते हैं यहां पर

इंदौर का मधुमिलन और महू नाका सर्कल शहर के वो चौराहे हैं, जहां छह मार्ग मिलते हैं। इसके बावजूद दोनों चौराहों पर ट्रैफिक की परेशानी कभी नहीं आई, लेकिन मधु मिलन चौराहे के नए सिरे से निर्माण के कारण ट्रैफिक जाम लग जाता है। शाम के समय छावनी, एमवाय मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है।

मंत्री विजयवर्गीय ने जिम में बहाया पसीना

वीडियो जारी कर दी हेल्थ टिप्स कहा-स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास

इंदौर (नप्र)। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने अनुकरणीय विचार और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरणादायक संदेश साझा किया हैं। उन्होंने स्वयं व्यायाम करते हुए एक वीडियो जारी किया और जनता से अपील की कि वे नियमित रूप से अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए।

विजयवर्गीय ने कहा- हमारे शरीर को स्वस्थ और सशक्त बनाए रखना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पहलू में सफलता और संतोष प्राप्त करने का आधार भी है। वर्ष के 12 महीने हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन सर्दी का मौसम व्यायाम और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए विशेष महत्व रखता है।विजयवर्गीय ने स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरणादायक संदेश साझा किया है।

उन्होंने आगे कहा कि सर्दियों में हमारी पाचन शक्ति स्वाभाविक रूप से अधिक सक्रिय हो जाती है, जिससे शरीर भोजन को बेहतर तरीके से ग्रहण कर सकता है। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि हम अपने शरीर को सक्रिय रखने और ऊर्जा से भरपूर जीवन जीने के लिए व्यायाम को अपनाएं।

उनका कहना है, जो भोजन हम इस मौसम में ग्रहण करते हैं, उसे सही ढंग से पचाने और शरीर को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है।आह्वान किया कि कुछ समय निकालकर योग, प्राणायाम या अन्य शारीरिक गतिविधियों को अपनाएं।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग

जूनियर ने एक्स पर लिखा- हॉस्टल रावण की लंका जैसा; नशा उतरने तक परेशान करते हैं सीनियर्स

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आया है। 2024 बैच के जूनियर छात्रों ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से शिकायत की है। छात्रों ने लिखा है कि रात 10.30 बजे उन्हें बुलाया व सिर झुकाकर खड़ा कर दिया जाता है। सुबह 5-6 बजे नशा उतरने तक सीनियर उन्हें पीटते हैं।

उन्हें 6-6 घंटे तक रूफटॉप पर सिर झुकाकर खड़ा रखा जाता है। आते-जाते पीटते हैं। असहज कपड़ों में छत पर बुलाते हैं। शहर में कहीं रावण की लंका है तो वह कॉलेज का बॉयज हॉस्टल है। जहां सिर्फ सीनियर्स का नियंत्रण है। जानकारी के मुताबिक इन्हीं कारणों से इस वर्ष 30 छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है।

हालांकि यह रैगिंग कब हुई, सोशल मीडिया पोस्ट पर इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहीं मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और वार्डन से भी किसी तरह की शिकायत नहीं की गई है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर स्टूडेंट ने यह फोटो ट्वीट कर घटना की जानकारी दी है।

हालांकि, एक छात्र ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए मैं निजी होस्टल में नहीं रह सकता। कॉलेज के हॉस्टल में रहना मेरी मजबूरी है। इसके लिए मुझे रैगिंग का शिकार होना पड़ता है।

हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि सोशल मीडिया पर फोटो किसने वायरल किए। मामले में इंडियन डाक्टर नाम के एक्स अकाउंट से प्रधानमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मप्र के मुख्यमंत्री को भी शिकायत की गई है।

छात्रों ने यह फोटो भी एक्स पर अपलोड किया है। उनका दावा है कि यह इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्टल है। यहां इसी तरह आधी रात से सुबह होने तक, जब तक सीनियर्स का नशा नहीं उतर जाता जूनियर स्टूडेंट की रैगिंग ली जाती है।

छात्रों ने यह फोटो भी एक्स पर अपलोड किया है। उनका दावा है कि यह इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्टल है। यहां इसी तरह आधी रात से सुबह होने तक, जब तक सीनियर्स का नशा नहीं उतर जाता जूनियर स्टूडेंट की रैगिंग ली जाती है।

संपादकीय

उम्मीद से भरा त्रिपक्षीय करार

महत्वाकांक्षी 'पार्वती- कालीसिंध- चंबल नदी जोड़ो परियोजना' पर जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में त्रिपक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर होना मप्र और खासकर मालवा चंबल क्षेत्र के विकास की दृष्टि से स्वागतेय कदम है। यह अनुबंध मप्र और राजस्थान राज्यों के बीच हुआ है, जहां दोनों जगह भाजपा की सरकारें हैं, इसलिए यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस परियोजना पर तेजी से काम होगा और जल्द से लोगों को इसका लाभ मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह परियोजना ग्वालियर चंबल व मालवा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगात है। इस समूची परियोजना पर 72 हजार करोड़ रू. की लागत आएगी और इससे मप्र के 11 जिलों के 6 लाख हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि में सिंचाई हो सकेगी। साथ ही 40 लाख से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यप्रदेश के मालवा और चंबल के क्षेत्र के लाखों किसान इस परियोजना के माध्यम से लाभ ले सकेंगे। परियोजना का भूमिपूजन राजस्थान के टोंक खुर्द कृषि मंडी परिसर में सम्पन्न हुआ। इस परियोजना से गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर और मुरैना के 2094 गांव लाभान्वित होंगे। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 21 बांध एवं बैराज बनाए जाएंगे। मप्र में लगभग 36 हजार 800 करोड़ रुपए से कार्य करवाए जाएंगे। इस परियोजना के बारे में मप्र के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया, एमपी में 35 हजार करोड़ रुपए और राजस्थान में 37 हजार करोड़ के काम होंगे। 90 फीसदी राशि केंद्र व 10 प्रतिशत राज्य सरकार देगी। इसमे शक नहीं कि मप्र में भाजपा के 20 साल के शासन काल में सिंचाई क्षमता के विकास और विस्तार पर काफी ध्यान दिया गया है। आज राज्य में सिंचित कृषि क्षेत्र 169.48 लाख हेक्टेयर तक जा पहुंचा है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना इस में और वृद्धि करेगी। यही कारण है कि आज मप्र देश के पांच अग्रणी कृषि राज्यों में शामिल हो गया है। कुछ फसलों के उत्पादन में तो हम देश में नंबर वन हो चुके हैं। लेकिन उपलब्धियों के साथ साथ सरकार और प्रदेश के समक्ष कई नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। जिस तेजी से राज्य में कृषि उत्पादन बढ़ा है, उस तेजी से न तो फसलों के दामों में बढ़ोतरी हुई है और न ही भंडारण व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग बढ़े हैं। मप्र का कच्चा माल राज्य में ही प्रोसेस हो, इस बारे में बहुत कम प्रगति हो सकी है। बेहतर भावों के लिए किसानों को अभी भी या तो दूसरे राज्यों का रूख करना पड़ता है या फिर औने पौने दामों पर फसल बेचकर घाटा उठाकर खेती करनी पड़ती है। खेती को लाभ का धंधा बनाने और खुद को किसान का बेटा कहने वाले मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी मीडिया से बातचीत के दौरान माना था कि कृषि उत्पादन वृद्धि के मामले में हमारे किसानों ने जो कमाल किया है, उस तुलना में उपज के भंडारण और प्रसंस्करण के मामले में हम आगे नहीं बढ़ सके है। पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना इसमें कितनी मददगार होती है, यह देखने की बात है। औद्योगिकरण के मामले में मप्र पड़ोसी राज्यों की तुलना में अभी भी पीछे है। लिहाजा हमे कृषि पर ही और ज्यादा ध्यान देना होगा। मप्र में रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र अभी भी यही है। ऐसे में पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक जैसी परियोजनाओं की हमे और आवश्यकता है। लेकिन पर्यावरण बचाने का भी ध्यान रखना होगा। इसी तरह केन बेतवा परियोजना भी तेजी से आगे बढ़ने की राह देख रही है।

नजरिया

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नदियां लिखेंगी विकास की गाथा

मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। मध्यप्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरूआत के बाद अब उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रख दी है। इसके प्रतीक स्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। तत्पश्चात भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। 72000 करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होंगे। इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इस राशि में से 35000 करोड़ रुपए मध्यप्रदेश और 37000 करोड़ रुपए राजस्थान सरकार खर्च करेगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ 64 साल पुरानी ग्वालियर-चंबल संभाग की चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार नए तरीके से किया जाएगा। तय है, ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं, तो सिंचाई के लिए कृशि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी। किसान खुशहाल होंगे और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा।

नदियों की धारा मोड़ने का दुनिया में पहला उदाहरण ऋग्वेद में मिलता है। इंद्र ने सिंचाई और पेयजल की सुविधा सुगम कराने की दृष्टि से सिंधु नदी की धारा को मोड़ा था। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी की धारा को पहाड़ तोड़कर भगवान परशुराम ने मोड़ा था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरूआत केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के साथ कर दी थी। ये परियोजनाएं जल-शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेषान देश में नदियों के संगम की परियोजना मूर्त रूप ले रही हैं, यह देशवासियों के लिए प्रसन्नता की बात है। इन परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो भविष्य में 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल बढ़ते वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्शा-चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा संभव हो जाता है तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी किसानों को पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन परियोजनाओं को यह कहकर विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी, नतीजतन नदियों के विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा।

कृत्रिम रूप से जीवनदायी नर्मदा और मोक्षदायिनी

क्षिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य-प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दोनों राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें होने के कारण एकमत नहीं हुई। कालांतर में केंद्र समेत उप्र और मप्र में भी भाजपा की सरकारें बन गईं। नतीजतन परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की और बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर-प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना पर भूमि अधिग्रहण के साथ तेज गति से बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है।

जीवनदायी नदियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नदियों के किनारे ही ऐसी आधुनिकतम बढ़ी सभ्यताएं विकसित हुईं, जिन पर हम गर्व कर सकते हैं। सिंधु घाटी और सारस्वत (सरस्वती) सभ्यताएं इसके उदाहरण हैं। भारत के सांस्कृतिक उन्नयन के नायकों में भागीरथी, राम और कृष्ण का नदियों से गहरा संबंध रहा है। भारतीय वांगमय में इंद्र और कुबेर विपुल जलराशि के प्राचीनतम वैज्ञानिक-प्रबंधक रहे हैं। भारत भूखण्ड में आग, हवा और पानी को सर्वसुलभ नियामत माना गया है। हवा और पानी की शुद्धता और सहज उपलब्धता नदियों से है। दुनिया के महासागरों, हिमखण्ड़ों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भण्डार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोग जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखण्डों के पिघलने और अवर्षा के चलते जल स्त्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है। जिसका मुख्य स्त्रोत नदियां और भू-जल हैं। औद्योगिकिकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और मल मूत्र बहाने का सिलसिला जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां इतनी प्रदूषित हो गई हैं कि यमुना नदी को तो एक पर्यावरण संस्था ने मरी हुई नदी तक घोषित कर दिया है।

प्रस्तावित करीब 120 अरब डालर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ों परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे, हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्षिण जल क्षेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृष्णा, पार, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पशिचम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्षिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पशिचम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्षिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है। हिमालय क्षेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृष्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्षाजल इकट्ठा हो और उत्तर-प्रदेश, बिहार एवं असम को भंयकर बाढ़ का सामना करने से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्षेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंड़क, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दमोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा। करीब 13,500 किमी लंबी ये नदियां भारत के संपूर्ण मैदानी क्षेत्रों में अठखेलियां करती हुई मनुष्य और जीव-जगत के लिए प्रकृति का अनूठा और बहुमूल्य वरदान बनी हुई हैं। 2528 लाख हेक्टेयर भू-खण्डों और वनप्रांतरों में प्रवाहित इन नदियों में प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है। कृषि योग्य कुल 1411 लाख हेक्टेयर भूमि में से 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत प्रति वर्ष सिंचित की जाकर फसलों को लहलहाती हैं।

दरअसल बढ़ते वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन, अलनीनो और बदलते वर्शा चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा संभव हो जाता है तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी किसानों को पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। इसलिए नदी जोड़ो परियोजनाओं को भविष्य के लिए लाभदायी माना जा रहा है।

मुद्दा

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

क्या कमी है 'एक देश एक चुनाव' में?

'एक देश एक चुनाव' के सपने को साकार करने की तरफ देश बढ़ रहा है। बेशक,लगातार चुनाव देश की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। भारत में 'एक देश-एक चुनाव' का विचार एक ऐसा विषय है जिस पर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय है। कुछ लोगों का मानना है कि इससे देश को कई फायदे होंगे, वहीं कुछ लोग इसके कुछ नुकसान भी बताते हैं। पर ये सच है कि बार-बार चुनाव कराने में काफी पैसा खर्च होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस खर्च को काफ़ी हाद थे कम किया जा सके । चुनावों में सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती करनी पड़ती है। जाहिर है, बार-बार चुनाव होने से कामकाज में बाधा तो आती ही है साथ ही संसाधनों का भारी दुरुपयोग भी होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस समस्या को दूर काफ़ी हद तक कम किया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के बाद सरकार एक देश- एक चुनाव की तरफ तेजी से बढ़ रही है। इससे लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत चुनाव सभी एक साथ होंगे। यह सब 100 दिनों के अंदर ही संपन्न होगा। सरकार का मानना है कि इससे देश की जीडीपी में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। केंद्र सरकार इस मुद्दे पर आम सहमति बनाना चाहती है। यह मामला किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे देश के हित में है। यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा, क्योंकि सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि 'एक देश, एक चुनाव' से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

एक देश, एक चुनाव भाजपा और नरेंद्र मोदी का पुराना एजेंडा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मोदी जी इसकी वकालत करते रहे हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में 2 सितंबर 2023 को कोविंद कमिटी बना कर उन्होंने पहला कदम बढ़ाया था।

निश्चित रूप से बार-बार चुनाव होने से सरकारें नई नीतियों और योजनाओं को लागू करने में झिझकती हैं। एक साथ चुनाव होने से सरकारों को स्थिरता मिलती है और वे बेहतर ढंग से काम कर पाती हैं। एक बात और कि बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दल विकास के मुद्दों से भटक जाते हैं और चुनाव जीतने पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दलों को विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अधिक अवसर मिलता है।

'एक देश-एक चुनाव' के विपक्ष में तर्क में कुछ पिलपिले तर्क आ रहे हैं। जैसे कि राष्ट्रीय चुनावों के साथ-साथ राज्यों के चुनाव होने से क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र कमजोर हो सकता है क्योंकि इससे राष्ट्रीय स्तर पर एक ही राजनीतिक दल का दबदबा हो सकता है। यह सब तर्क कमजोर हैं।

दुनिया के कई देशों में अलग-अलग चुनाव व्यवस्थाएं हैं। कुछ देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, जबकि कुछ देशों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं।

स्वीडन, बेल्जियम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव एक साथ कराए जाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। बहरहाल, एक देश-एक चुनाव से देश के आम जनमानस में राष्ट्र की अवधारणा सशक्त होगी। भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आज़ादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आज़ादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया, इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई और विधानसभा समय से पहले भंग हो गई थी। यह भी माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव होने से मतदाता भागीदारी में वृद्धि हो सकती है क्योंकि लोगों को बार-बार मतदान करने की आवश्यकता नहीं होगी। कुल मिलाकर बात यह है कि 'एक देश एक चुनाव' को दलगत आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इस पर हर स्तर पर खुल कर ईमानदारी से चर्चा होनी चाहिए। उसके बाद ही किसी अंतिम निर्णय पर पहुंचा जाना चाहिए। अगर इसे भाजपा या मोदी जी के किसी एंजेडे के रूप में देखा गया तो यह सही नहीं होगा। अभी तक जो विपक्षी नेता 'एक देश एक चुनाव' के विचार का विरोध कर रहे हैं, उन्हें अपने दिल पर हाथ रखकर पूछना चाहिए कि क्या उन्हें बार-बार चुनावी रणभूमि में उतरना पसंद है?

छुट्टियां, पर्यटन और हमारी सेहत

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

दिसंबर का अंत आ रहा है। यह इस साल की समाप्ति और नए वर्ष के आरंभ का समय भी है। यही बड़े दिन की छुट्टियों का भी वक्त है। बात जब छुट्टियों की होती है तो हर घर में लगभग चर्चा का विषय होगा कि सर्दियों की छुट्टीयों में कहा घूमने जाया जाए। कुछ लोग गर्मी की तलाश में रहेंगे तो कुछ सर्दी में बर्फ का आनन्द लेना चाहेंगे। लेकिन फिर भी कुछ जरुरी बातों का ध्यान हम नहीं रख पा रहे हैं। जैसे घूमने और जीवन को सुखमय क्षणों में व्यतीत करने के लिए सबसे ज़्यादा ज़रूरी क्या है?

हममें से सबका जवाब अलग-अलग होगा। कुछ परिवार के साथ घूमने को प्राथमिकता देंगे, कुछ दोस्तों के साथ को और कुछ एकल ही घूमने में स्वयं को आरामदायक महसूस करेंगे। सब अपने अनुभव तो बताएंगे, पर किसी का भी ध्यान दो महत्वपूर्ण बातों पर शायद ही जाए। पहला सेहत जिसके बिना जीवन का हर सुख अधूरा है। हम कितना भी पैसा कमा लें, कितना भी परिवार को महत्व दें। हमारे बहुत सारे दोस्त हो। तब भी अगर हम स्वस्थ नहीं हैं, तो सब सुख हमारे लिए गौण है। हमारा साथ अगर हमारा शरीर नहीं दे पा रहा है तो समझिए कि हमारे साथ कोई भी नहीं है। हम किसी की दया के पात्र तो हो सकते हैं, लेकिन सुख -दुख के साथी कभी नहीं हो सकते। हम अपने को एक बोझ मानने लगते हैं।

हर पल एक उम्मीद से सबको देखते हैं कि कोई चाहे हमसे हमारी सारी दौलत ले लें, पर हमें स्वस्थ कर दें। यहां कुछ भ्रांतियां भी है कि अगर आप बोडी बनाते हैं,आपके मसल्स है, या आप डाइटिंग करके दुबले है, तो आप स्वस्थ हैं।यह केवल एक भ्रांति है

स्वस्थ होने का दुबले होने से कोई तालमेल ही नहीं है। आज के जलवायु और खान-पान को देखते हुए कोई भी बीमारी किसी को भी हो सकती है। इसलिए आन्तरिक रूप से स्वस्थ होने की बहुत जरूरत है। हमारे आसपास का पर्यावरण भी हमारे स्वास्थ्य पर अपना प्रभाव डालता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते हर मौसम ने अपना अंदाज बदल लिया है। जिसका कुप्रभाव हम पर पड़ रहा है, जिसे हम अभी भी समझने के लिए तैयार नहीं है। ना तो गर्मी में पहले जैसी तपिश है, जिसे सावन की बूंदें ठंडक दें सकें और ना ही सर्दियों में अपनी बर्फिली पहाड़ियों में कशिश बची है। ग़लती मानव की है, पर खामियाजा धरती के हर प्राणी को भुगतना पड़ेगा। बर्फ के पहाड़ भी मानव मन के भीतर जमी स्वार्थी परतों पर आश्चर्यचकित हैं। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को भी सर्द भावनाओं की जरूरत है और गर्मी को भी अपनी भावनाओं को छलकाने का अधिकार है। समय आ गया है, जब हम प्रकृति का सम्मान करते हुए। प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल करें और अपने जीवन को स्वस्थ रखते हुए प्रकृति के आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जनसंख्या की गाड़ी, कैसे बढ़े अगाड़ी

जब से उन्होनें जनसंख्या बढ़ाने की अपील की है तब से इस विचार ने नत्थू के दिलोदिमाग में खलबली मचा दी है। उसने अपनी पत्नी को यह जब खबर सुनाई और कहा 'भाग्यवान तीन बच्चे तो होने ही चाहिए।'' पत्नी की भृकुटियों में बल पड़ गया,बोली आपका दिमाग तो सही हालत में है या नहीं ? इस महंगाई में दो बच्चे ही ढंग से पल जाएँ,पढ़-लिखकर काम-धंधे लग जाएँ यही बहुत है।''

नत्थू ने फिर समझाने का प्रयास किया,बोला- वे कह रहे हैं कि जिस समुदाय की प्रजनन दर कम हुई उसका निकट भविष्या में अंत हो सकता है। चीन,दक्षिणी कोरिया और ईरान आदि देशों की आबादी निरंतर घट रही है। नए बच्चे कम पैदा होने से जापान बूढों का देश बनता जा रहा है। खुद की न सही देश,समाज विश्व के बारे में भी कुछ तो सोचो।'

पत्नी बीच में ही नत्थू की बात काटकर बोली- ''यह मीडिया और राजनेता मिलकर तुमको पागल करके छोड़ेंगे। कभी कहते हैं-'बच्चे दो ही अच्छे' 'हम दो हमारे दो'। अब कह रहे हैं बच्चे तीन पैदा करो।

किसी जमाने में किसी सरकार ने ही कहा था कि बढ़ती जनसंख्या ही गरीबी और पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार है। जनसंख्या कम करने का अभियान चलाया गया। परिवार नियोजन के लिए ऐसा शिकंजा कसा गया था कि अनिवार्य नसबंदी की आँधी चल पड़ी थी। भिखारी और कुँवारे तक गेहूँ के साथ घुण की तरह चपेट में आ गए थे। उसके बाद जनसंख्या में तेजी गिरावट आई। ब्रेक लगाते-लगाते भी जनसंख्या की गाड़ी ने विश्व में सबको पछाड़ कर भारत को आगे कर डाला।''

पत्नी ने कहना जारी रखा- 'अब इक्कीसवीं सदी की महिलाएँ पहले जैसी नहीं रही। शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने उनकी आँखें खोल दी है। पुरुषों से किसी भी क्षैत्र में कमतर नहीं है। अलबत्ता तो वे शिक्षा और कैरियर को लेकर इतनी सचेत हैं कि जल्दी शादी करना ही नहीं चाहती। कुछ की विवाह के लड्डुओं में अब खास दिलचस्पी ही नहीं रही।

पत्नी की ज्ञान और समझ से भरी बातें सुनकर नत्थू ने भी अपना सुर बदलने में ही भलाई समझी। तत्काल उसने पत्नी के सुर में सुर मिलाकर कहा-''तुम्हारी बात सही है भाग्यवान, मनुष्य को अपने छोटे छोटे समुदायों के संकीर्ण स्वार्थों के घेरों से निकलकर एक बड़े समुदाय मानव समाज में अपने आप को विलीन कर देना चाहिए। भारतीय संस्कृति की''माता पृथ्वी ,पुत्रो अहम्'' यानि हम सबकी माता पृथ्वी है और हम सब इसकी संतान है। इस धारणा को विश्व के सभी समुदायों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। यदि कोई स्वार्थगत सोच के चलते अन्य उद्देश्य से जनसंख्या बढ़ाता है तो सोच आखिर में अविवेकपूर्ण ही सिद्ध होने वाली है।

एक व्यक्ति की रीति-नीति का परिणाम थोड़ा या बहुत किसी एक समुदाय पर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज,और सार्वजनिक व्यवस्थाओं पर भी पड़ता है। किसी एक भी बच्चे को इस धरती पर बिना सोचे समझे नहीं लाया जाना चाहिए। सबसे पहले माता-पिता को सोचने की जरूरत पड़ेगी कि क्या वे उसके लिए पर्याप्त पौष्टिक भोजन,वस्त्र,निवास,शिक्षा और चिकित्सा आादि की सुविधाएँ देकर एक सभ्य सुसंस्कृत और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने की जिम्मेदारी वहन करने में सक्षम हैं ? हर व्यक्ति के साथ ही सड़क,बिजली,परिवहन सहित अनेक सार्वजनिक व्यवस्थाओं पर भी प्रभाव पड़ता है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

हम ही सही हैं, यह सोच सही नहीं

दुनिया भर के तमाम विवादों का मूल कारण किसी एक पक्ष का एकतरफा सोच ही हुआ करता है। जिसके चलते समाधान के अभाव में न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाया जाता है। लगातार तमाम तरह के बढ़ते विवादों के चलते न्याय की अपेक्षा करने वालों की कतार इतनी लंबी हो गई है कि अंतिम न्याय पाने की कोशिश में जिंदगी का एक बड़ा भाग जाया हो जाता है। कभी-कभी तो व्यवस्थित रूप से जोड़ घटाव करने के उपरांत हांसिल कुछ नहीं बचता। या कभी बचता भी है, तो लगभग न के बराबर। बात सिर्फ आर्थिक ही नहीं है, अपितु लंबी प्रतीक्षा और मानसिक संताप का भी यदि आर्थिक दृष्टि से मूल्यांकन करें, तो चौंकाने वाले परिणाम हमारे सामने होंगे।

हालांकि जमाने में सब कुछ निर्विवाद नहीं हो सकता। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उभय पक्ष अपनी-अपनी जगह लगभग सही हो। ऐसी स्थिति में जब समाधान की कोई सूरत ही नजर नहीं आती हो, तब न्यायपालिका का सहारा लिया जाए, यहां तक तो सब ठीक है। लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि कभी-कभी किसी मामले को लंबे समय तक टालने की दृष्टि से भी न्यायपालिका का सहारा लिया जाने लगा है। यही कारण है कि देश भर की तमाम अदालतों में मुकदमों की भरमार नजर आती है। ऐसी स्थिति में जिनके लिए वास्तव में न्याय अपेक्षित होता है, उन्हें भी लंबी कतार में लगने को बाध्य होना पड़ता है। ऐसी स्थिति में न्याय पाने की प्रक्रिया समय एवं धन साध्य हो जाती है।

इन संदर्भों में आपके हमारे लिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हम सुलह का रास्ता अख्तियार करने की दिशा में गंभीरता का परिचय दें। वैसे भी न्यायपालिका की मध्यस्थता में अनेक तरह के विचाराधीन मामलों का लोक अदालत द्वारा सुखद पटाक्षेप करने का प्रयास किया जाता रहा है। जिसमें उभय पक्ष के अभिभाषक वर्ग की अत्यंत सराहनीय भूमिका निकल कर आती रही है। समय की मांग के अनुरूप यह सिलसिला अनवरत रूप से चलते रहना चाहिए। इससे कुल मिलाकर देश में उपलब्ध शारीरिक और मानसिक श्रम शक्ति का और भी समुचित दोहन होने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। क्योंकि देश की ऊर्जा एवं चेतना का एक बड़ा भाग न्याय की अपेक्षा में खोया-खोया नजर आता है।

दरअसल त्वरित न्याय के लिए देश में ऐसा वातावरण बनाया जाना जरूरी है कि अव्वल तो विवाद हो ही नहीं, और हो तो भी सीमित मात्रा में। इसके लिए हर एक आदमी को एकतरफ़ा सोच की स्थिति से उबरना होगा, इस दिशा में सामाजिक प्रभाव एवं दबाव भी कारगर हो सकता है। इसके अतिरिक्त न्यायपालिका एवं अभिभाषक वर्ग की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। वैसे तो न्यायपालिका एवं अभिभाषक वर्ग का हर संभव प्रयास त्वरित न्याय की दिशा में ही होता है। लेकिन मुकदमों की बहुतायत के चलते इसका प्रत्यक्ष परिणाम कहीं दिखाई नहीं देता। जिसका नतीजा होता है कि तारीख पर तारीख और तारीख पर तारीख ही मिलती चली जाती है।

इसके चलते विलंबित न्याय, अन्याय के प्रतिरूप में ही दिखाई देने लगता है। ऐसी स्थिति में तथाकथित त्वरित न्याय हेतु कुछ एक मामलों को तो बिना कानूनी प्रावधान का सहारा लिए गलत रास्ता भी अपना लिया जाता है। जिसके चलते कानून और व्यवस्था पर भी आंच जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। खैर, मुद्दे की बात यह कि उपरोक्त स्थितियों को मद्देनजर रखते हुए यदि एकतरफा विचारधारा के बजाय निष्पक्ष एवं तटस्थ दृष्टि से किसी मामले का आकलन किया जाए, तो सहज रूप से अदालत से परे मामले का समाधान संभव हो सकता है। इस दिशा में सामाजिक नेतृत्व अपने समाज में ऐसा वातावरण निर्मित कर सकता है कि विभिन्न समाजों के बीच एक संतुलन का वातावरण निर्मित हो सके।

जाहिर है कि जब इस प्रक्रिया का विस्तार होने लगेगा, सारा का सारा सामाजिक परिवेश ही शांति का पुजारी बन जाएगा। अन्यथा हालात ऐसे ही रहे तो दिनोंदिन बढ़ती मुकदमों की संख्या न्याय को और भी अधिक समय व धन साध्य बनाकर रख देगी। जिसके चलते सामाजिक सद्भाव पर तो विपरीत असर पड़ेगा ही अपितु कानून और व्यवस्था के समक्ष भी गंभीर चुनौती उपस्थित हो सकती है। वैसे भी अधिकतर धन संपत्ति एवं अपराध के मामले विचाराधीन रहा करते हैं। ऐसे में धन संपत्ति के मामले में आपराधिक वर्ग के हस्तक्षेप को पूरी तरह से नहीं रोका जा सकेगा। यह स्थिति आम नागरिकों के सामान्य जनजीवन पर भारी भी पड़ सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि हर कोई अपने एकतरफ़ा सोच विचार का परित्याग करके चले।

छत्तीसगढ़ में नया पर्यटन स्थल धुड़मारास

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

देश का छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी बहुल प्रदेश है। यूं तो छत्तीसगढ़ नक्सलियों के आतंक के केन्द्र के रूप में देशभर में ज्यादा प्रसिद्ध है। किन्तु, कुछ महीनों से छत्तीसगढ़ के वनों से आच्छादित क्षेत्र में आदिवासियों की ही ग्राम सभा धुड़मारास की सामुदायिक वन संसाधन समिति द्वारा बनाए गए एक नए पर्यटन केन्द्र के रूप में यह ज्यादा ख्याति प्राप्त कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा से करीब 70 किलोमीटर दूर सघन वन में ग्रामसभा धुड़मारास है। इस ग्रामसभा ने अपनी सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति गठित की है। इस समिति में ग्राम के सभी 45 घरों से 2-2 सदस्य लिए गए हैं। इन 2 सदस्यों में से एक पुरूष और एक महिला है। इन सभी की जिम्मेदारी यह है कि ये 24 घंटे अपने क्षेत्र के वन और जल की सुरक्षा के लिए पहरेदारी करते हैं। सबकी ड्यूटी लगती है। जो व्यक्ति पहरेदारी में नहीं पाया जाता है, उस पर अर्थदंड लगाया जाता है। जो उसको देना अनिवार्य होता है।

ग्राम सभा धुड़मारास के युवा अध्यक्ष श्री सोनादार बघेल अपनी ग्राम सभा के गठन की जानकारी देते हुए उत्साह से बताते हैं कि हमारे गाँव में केवल 45 घर हैं। ग्राम सभा के गठन के लिए प्रत्येक घर से एक पुरूष और एक महिला को लिया गया है। इस प्रकार कुल 90 सदस्य हैं। सभी आदिवासी हैं। ये सब अपने गाँव के जल और जंगल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

केवल 5 वीं तक पड़े युवा अध्यक्ष श्री बघेल बताते हैं कि पहले घर चलाना बड़ा मुश्किल होता था। सब जैसे-तैसे अपना परिवार चला रहे थे। एक दिन ऐसे ही उन्हें ध्यान आया कि सरकार या किसी भरोसे रहने की जरूरत नहीं। हमें खुद को इतना सक्षम बनाना पड़ेगा कि खुद इतना कमा सके कि अपना परिवार अच्छी तरह से चला सके। इसके लिए उसने अपने जैसे मित्रों का सहयोग लेकर अपने ग्राम में ग्राम सभा का गठन किया। फिर इसके बाद सामुदायिक वन प्रबंधक समिति और इको विकास समिति का गठन किया। ग्राम सभा धुड़मारास के अध्यक्ष श्री बघेल ने इस गाँव को पर्यटन के आकर्षण का केन्द्र कैसे बनाया ? इसकी कहानी बताते हुए वे कहते हैं कि उन्होंने बाहर से बांस बुलाकर उससे नाँव बनाई। इस नाँव को ग्राम के बीच से बहने वाली नदी में चलाया। इसका उन्होंने बाम्बु राफ्टिंग नाम दिया। ग्राम सभा द्वारा नदी में बांस की नाँव चलाकर बाम्बु राफ्टिंग का आनंद लेने के लिए प्रति व्यक्ति से 200 रूपए शुल्क लेना तय किया गया। प्रत्येक नाँव में 4 लोगों के बैठने के लिए बाँस से ही आमने-सामने बैंच बनाई गई। इसमें अनिवार्य रूप से पर्यटकों को लाइफ जैकेट भी पहनाई जाती है।

बाम्बु राफ्टिंग के अतिरिक्त एक नाँव में एक व्यक्ति को घुमाने ले जाने की भी व्यवस्था की गई है, जिसका नाम उन्होंने दिया है, कायाकिंग। ग्राम सभा ने प्रति व्यक्ति इसका शुल्क 100 रूपए तय किया है। श्री बघेल को यह सब जानकारी कहाँ से और कैसे मिली ? यह सब पूछने पर वे उत्साह से बताते हैं, कि हम कुछ करना चाहते थे, किन्तु क्या करें? यह समझ में नहीं आ रहा था। तब हमारे यहाँ के वनमंडलाधिकारी महोदय ने हमें अपना पूरा सहयोग और मार्गदर्शन दिया। उन्हीं के मार्गदर्शन के कारण हम यह सब कर सके हैं।

युवा अध्यक्ष बघेल बताते हैं कि बाम्बु राफ्टिंग और कायाकिंग के अलावा उन्होंने गाँव में पर्यटकों को रहने और छत्तीसगढ़ का भोजन उपलब्ध कराने के लिए होम स्टे भी बनाएँ हैं। यहाँ पर्यटकों को छत्तीसगढ़ का भोजन और रहने की सुविधा रियायती दर पर उपलब्ध कराते हैं।

यदि आदिवासियों को सही मार्गदर्शन और सहयोग मिल जाए तो वे आत्मनिर्भरता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण हैं, ग्राम सभा धुड़मारास। कुछ महीनों पहले ही शुरू हुई इस पहल के कारण आज गाँव के 45 घरों के सभी परिवारजन सुख पूर्वक अपना जीवन निर्वाह कर रहे हैं। आज ग्राम सभा धुड़मारास द्वारा पर्यटकों के लिए दी गई सुविधा बाम्बु राफ्टिंग और कायाकिंग देशभर में प्रसिद्ध हो चुकी है। कोई भी इसे गूगल पर देख कर आ सकता है। ग्राम सभा धुड़मारास हर पर्यटक के स्वागत के लिए तैयार है।

खेल जगत

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

रविचंद्रन अश्विन: स्पिन के सुनहरे युग का अंत

भारतीय क्रिकेट हमेशा से स्पिन गेंदबाजों का गढ़ रहा है। इस परंपरा ने क्रिकेट की दुनिया को अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, और रविचंद्रन अश्विन जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी दिए हैं। हाल ही में रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, और उनके इस निर्णय ने क्रिकेट प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अश्विन ने न केवल भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी अपने कौशल का परचम लहराया।

रविचंद्रन अश्विन का जन्म 17 सितंबर 1986 को चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा सेंट बेड्स स्कूल से प्राप्त की और बाद में एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग की डिग्री ली। हालांकि उनका झुकाव हमेशा क्रिकेट की ओर रहा। शुरू में एक बल्लेबाज के रूप में खेलने वाले अश्विन ने जल्दी ही महसूस किया कि उनकी असली प्रतिभा ऑफ स्पिन गेंदबाजी में है। अश्विन ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से की। इसके बाद उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी जगह बनाई और अपने पहले ही टेस्ट मैच में 9 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

रविचंद्रन अश्विन का क्रिकेट करियर आंकड़ों के लिहाज से अद्वितीय रहा है। उन्होंने 94 टेस्ट मैचों में 474 विकेट लिए, जो उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बनाता है। इसके अलावा, वनडे और टी20 प्रारूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अश्विन ने न केवल गेंदबाजी में बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय टीम को मजबूती दी। उन्होंने 5 शतक और 13 अर्धशतक बनाए हैं, जो यह दर्शाता है कि वे एक ऑलराउंडर के रूप में कितने सक्षम थे। अश्विन ने वनडे में 151 विकेट और टी20 में 72 विकेट लिए। हालांकि, उनका प्रमुख योगदान टेस्ट क्रिकेट में ही देखा गया।

अश्विन का गेंदबाजी स्टाइल उन्हें सबसे अलग बनाता है। उनकी ऑफ स्पिन गेंदबाजी में विविधता, फ्लाइट, और गति का अद्भुत संयोजन देखने को मिलता है। उनकी 'कैरम बॉल' ने कई बल्लेबाजों को परेशान किया और उन्हें विश्व क्रिकेट में खास पहचान दिलाई। उनकी गेंदबाजी में गहराई और बल्लेबाजों को पढ़ने की क्षमता उनकी सफलता का मूल कारण रही है।

अनिल कुंबले और हरभजन सिंह के संन्यास के बाद भारतीय टीम में एक ऐसे स्पिनर की जरूरत थी जो टेस्ट क्रिकेट में विकेट निकाल सके और कठिन परिस्थितियों में टीम का साथ दे सके। अश्विन ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। कुंबले की तरह, अश्विन ने भी टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता और दृढ़ता दिखाई। हरभजन की तरह, उन्होंने भी आक्रामकता और बल्लेबाजों पर मानसिक दबाव बनाने की कला सीखी।

अश्विन की सफलता केवल भारतीय धरती तक सीमित नहीं रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदबाजी हमेशा यादगार रही है। 2016 में, अश्विन को आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला, जो उनकी प्रतिभा और योगदान को वैश्विक स्तर पर मान्यता देता है।

अश्विन का संन्यास भारतीय क्रिकेट के लिए एक युग के अंत जैसा है। हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में खेलना जारी रखने का संकेत दिया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी अनुपस्थिति को महसूस किया जाएगा। उनके संन्यास का फैसला कई कारणों से लिया गया हो सकता है, जिनमें उम्र, शारीरिक थकान, और युवा खिलाड़ियों को मौका देने की भावना शामिल हो सकती है।

अश्विन का प्रभाव केवल उनके प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है और स्पिन गेंदबाजी की नई परिभाषा गढ़ी है। उनकी सोच, तकनीक, और रणनीतियां भारतीय क्रिकेट के लिए एक धरोहर हैं। उन्होंने टीम इंडिया को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकाला और कई मैच जिताए। उन्होंने दिखाया कि एक स्पिनर भी ऑलराउंडर बन सकता है। अश्विन के संन्यास के बाद भारतीय टीम को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर टीम में हैं, लेकिन अश्विन जैसी विविधता और अनुभव हासिल करने में समय लगेगा।

रविचंद्रन अश्विन का करियर भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज रहेगा। उन्होंने न केवल स्पिन गेंदबाजी को नई ऊंचाई दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों को कई यादगार पल भी दिए। उनके संन्यास के बाद टीम में उनकी कमी जरूर महसूस होगी, लेकिन उनके द्वारा स्थापित मानदंड आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। अश्विन को इस नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं, और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए हमेशा आभार।

कैंसर वैक्सीन

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक विश्लेषक

आशा, सकारात्मकता और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण का गहरा प्रभाव

रूस द्वारा कैंसर रोकने के लिए की गई वैक्सीन की घोषणा का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह की घोषणाएं आमतौर पर आशा और सकारात्मकता की भावना को बढ़ाती हैं। कैंसर जैसी गंभीर और जीवन के लिए खतरा मानी जाने वाली बीमारी के संभावित इलाज की ऐसी खबर सुनकर मरीजों और उनके परिवारों में एक अलग सा सुकून महसूस होता है। वे भविष्य को लेकर अधिक आशावादी हो सकते हैं, जो उनकी मानसिक स्थिति में सुधार लाने का कार्य कर सकता है।

कई बार मरीजों और उनके साथ वालों में कैंसर को लेकर जो भय होता है, वह ऐसी बातों से कम हो जाता है। लोग इसे जीवन की अनिश्चितता से जुड़े भय के कम होने के रूप में देखते हैं। डेथ फोबिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव बेहद गहरा होता है, और इस तरह की घोषणा से लोगों के दिमाग में यह विश्वास पनपता है कि भविष्य में इस बीमारी का इलाज संभव हो जाएगा। यह दृष्टिकोण मनोवैज्ञानिक असुरक्षा की भावना को कम करने में मदद करता है।

यह स्वयं पर नियंत्रण (self-efficacy) की भावना को मजबूत करता है, क्योंकि लोग यह महसूस करते हैं कि उनके स्वास्थ्य पर उनका नियंत्रण है। कैंसर के मरीज अक्सर लंबी और थकाऊ उपचार प्रक्रिया से गुजरते हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। लेकिन कैंसर के टीके की खबर उन्हें यह विश्वास दिला सकती है कि उनका संघर्ष अनिश्चित काल तक जारी नहीं रहेगा। इससे डिप्रेशन और चिंता के स्तर में कमी आ सकती है।

इस घोषणा के कुछ संभावित नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। अगर लोग यह मानने लगते हैं कि कैंसर का टीका जल्द ही उपलब्ध होगा और इसे अंतिम समाधान के रूप में देखने लगते हैं, तो यह अवास्तविक अपेक्षाओं को जन्म दे सकता है। अवास्तविक अपेक्षाएं और झूठी आशा बाद में निराशा और मानसिक तनाव का कारण बन सकती हैं, खासकर जब यह पता चलता है कि टीके के विकास और उपयोग के बीच लंबा समय लग सकता है। इस स्थिति को 'फाल्स होप सिंड्रोम' के रूप में जाना जाता है, जहां लोग ऐसे परिणामों की उम्मीद करने लगते हैं, जो वास्तविकता में संभव नहीं होते। टीके की घोषणा का एक और महत्वपूर्ण प्रभाव सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव के रूप में देखा जा सकता है। कैंसर से पीड़ित लोगों के प्रति समाज में सहानुभूति और समझ का स्तर बढ़ सकता है। जब लोग यह समझते हैं कि कैंसर अब एक 'असाध्य बीमारी' नहीं रही, तो कैंसर से जुड़े कलंक और नकारात्मक सामाजिक धारणाएं धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। इससे मरीजों का आत्म-सम्मान और सामाजिक समर्थन प्राप्त करने की क्षमता बढ़ सकती है। इस घोषणा का एक अन्य महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक पहलू हेल्थ केयर सिस्टम और विज्ञान पर लोगों के विश्वास से जुड़ा है। जब किसी सरकार या वैज्ञानिक संगठन द्वारा किसी घातक बीमारी के इलाज के लिए नई खोज की घोषणा की जाती है, तो आम पब्लिक का विश्वास हेल्थ केयर सिस्टम और वैज्ञानिकों में बढ़ता है। यह विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे लोगों का झुकाव नई चिकित्सा तकनीकों और टीकाकरण के प्रति बढ़ता है। जो लोग पहले चिकित्सा विज्ञान और टीकाकरण के बारे में संशय में रहते थे, वे अब वैज्ञानिक शोध के महत्व को स्वीकार कर पाते हैं। कुल मिलाकर, रूस द्वारा कैंसर के टीके की घोषणा का मनोवैज्ञानिक प्रभाव कई स्तरों पर देखा जा सकता है। यह आशा, सकारात्मक दृष्टिकोण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक समर्थन को बढ़ावा दे सकता है। हालांकि, मनोवैज्ञानिक दृष्टि से यह भी आवश्यक है कि लोगों को अवास्तविक अपेक्षाओं से बचाया जाए और उन्हें वास्तविकता के बारे में जागरूक किया जाए। इस घोषणा का सही संदेश जनता तक पहुंचाना और उम्मीदों को वास्तविक बनाए रखना कैंसर चिकित्सकों, मनोचिकित्सकों और मीडिया की जिम्मेदारी है।

धान खरीदी केंद्रों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

रानीपुर में बंद पड़ी खरीदी को तत्काल करवाया चालू

बैतूल। धान खरीदी में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। निर्धारित स्लॉट बुकिंग के अनुरूप समय पर किसानों से गुणवत्तापूर्ण रुप से खरीदी की जाए। यह निर्देश कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को घोड़ाडोंगरी क्षेत्र में खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सबसे पहले रानीपुर में गायत्री वेयरहाउस धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र पर सर्वेयर के अभाव में खरीदी बंद पाई गई। किसानों ने बताया कि उन्हें विगत दो दिनों से अपनी धान बेचने में काफी परेशानी हो रही है। जिस पर कलेक्टर ने उपार्जन संबंधी अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सर्वेयर को नियुक्त कर केंद्र पर खरीदी चालू करवाई। उन्होंने तहसीलदार और एसडीएम को भी अपने क्षेत्र में सुचारू रूप से खरीदी कराने के निर्देश दिए।

सुव्यवस्थित ढंग से खरीदी की जाए - इसके बाद कलेक्टर श्री सूर्यवंशी रानीपुर स्थित खरीदी केंद्र जुआड़ी पहुंचे। उन्होंने केंद्र पर किसानों से चर्चा कर खरीदी की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि खरीदी केंद्र पर किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी में खरीदी केंद्र मंगलम वेयरहाउस एवं बालाजी वेयरहाउस का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां खरीदी धीमी गति से होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर तौलकांटो, हम्मालों आदि आवश्यक संसाधन बढ़ाएं और खरीदी तेजी से की जाए।

केन्द्र पर पहले आने वाले किसानों से पहले तुलाई की जाए - कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने केंद्र प्रभारियों को सख्त हिदायत दी की किसानों को अपनी उपज बेचने में अनावश्यक परेशान ना होना पड़े। स्लॉट बुकिंग के अनुरूप पहले आने वाले किसानों की पहले तुलाई की जाए। व्यवस्थित तुलाई के लिए खरीदी केंद्र पर टोकन की व्यवस्था भी करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने केंद्र प्रभारी एवं उपार्जन संबंधी अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदे केंद्रों पर किसानों की सुविधाओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं रहे। केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बैठक इत्यादि की उत्तम व्यवस्थाएं की जाए।

- **अधिकारी खरीदी केन्द्रों की सतत मॉनिटरिंग करें** - खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीएम शाहपुर, तहसीलदार घोड़ाडोंगरी और उपार्जन संबंधी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि केंद्रों पर खरीदी सुचारू रूप से संचालित हो। अधिकारी सतत खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करते रहें। उपार्जन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उनका त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी खरीदी केंद्रों पर संबंधित एसडीएम और फूड इंस्पेक्टर का नंबर चस्पा करने के निर्देश दिए ताकि किसान अपनी समस्याएं अधिकारियों को अवगत करा सकें।
- **जहां खरीदी चालू करवाई थी वहां पुनः जाकर देखी व्यवस्थाएं** - कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निरीक्षण से लौटते समय रानीपुर स्थित खरीदी केंद्र गायत्री वेयरहाउस जहां सर्वेयर के अभाव में पहले खरीदी बंद थी। वहां पुनः जाकर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने यहां उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति नियंत्रक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी बंद होने जैसी स्थिति पुनः किसी भी खरीदी केंद्र पर निर्मित ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समर्थन मूल्य से ज्यादा मंडी में बिक रहा सोयाबीन, क्योंकि फेल किए जा रहे सैंपल

826 किसानों से 2758 मैट्रिक टन सोयाबीन की खरीदी, 8.51 करोड़ का कर भी दिया भुगतान

संजय द्विवेदी, बैतूल। किसानों को फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए सरकार समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरीदी कर रही है, जबकि बाजार से अधिक दाम, समर्थन मूल्य पर दिया जा रहे हैं। फिर भी किसान समर्थन मूल्य में सोयाबीन बेचने में रूचि नहीं दिखा रहे है। इसके पीछे किसानों का तर्क है कि खरीदी सेंटरों पर सैंपल फेल किया जा रहा है। साथ ही रुपए मिलने में भी देरी हो रही है। यहीं वजह है कि रोजाना बड़ी संख्या में सोयाबीन मंडी में बिकने के लिए पहुंच रही है। किसान सीधे व्यापारियों को ही सोयाबीन बेच रहे हैं। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार समर्थन मूल्य में 826 किसानों ने 2758.55 मैट्रिक टन सोयाबीन बेचा है, जबकि इससे कई अधिक मात्रा में सोयाबीन मंडी में बिक चुका है। किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर बिक्री के लिए मापदंड कठिन है। किसान जब सेंटर पर सैंपल लेकर जाता है तो एफएक्यू क्वालिटी के अनुसार सोयाबीन अमानक बताकर लौटा दिया जाता है। साथ ही जो किसान केंद्र पर सोयाबीन बेचते हैं, उन्हें 8 से 10 दिन में रुपए मिलते हैं। खुले बाजार व मंडी में व्यापारी सोयाबीन सभी क्वालिटी की खरीद रहे हैं। मंडी अनुबंध के अनुसार तीन दिन में राशि देने व छोटे किसानों को नकद राशि मिल जाती है। जिससे किसान कम भाव में उपज बेच देता है।

किसान बोले- ऋण की काटकर मिलती है राशि - किसानों ने बताया खरीदी केन्द्रों पर सोयाबीन खरीदी के लिए मापदंड निर्धारित किये गये है। मापदंड अनुरूप उपज होने पर ही सोयाबीन की खरीदी की जा रही है। किसानों का कहना है कि अक्टूबर में हुई बारिश से खेतों में तैयार सोयाबीन फसल भीग गई। बार-बार बारिश होने से सोयाबीन को पूरी तरह सूखने का समय नहीं मिला। सोयाबीन काली व कमजोर रह गई, जो एफएक्यू क्वालिटी के मानक अनुसार नहीं है। यदि किसान केन्द्रों पर सेम्पल लेकर भी जाते है तो फेल कर देते है। किसानों को केंद्र तक सोयाबीन ले जाने में अधिक खर्च वहन करना पड़ रहा है। ऊपर से जो राशि मिलती है, उसमें देरी के बाद सोयायटी के ऋण की राशि भी काट ली जाती है। इससे किसानों को बहुत कम राशि हाथ में आती है।

3257 ने कराया पंजीयन, आधे से भी कम ने बेची उपज - जिले में सोयाबीन खरीदी के लिए 14 केन्द्र बनाये गये थे। जिस पर सोयाबीन उपज बेचने के लिए कुल 3257 किसानों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 1027 किसानों ने स्लॉट भी बुक कराया, लेकिन 2431 किसान ऐसे है, जिन्होंने उपज नहीं बेची। खरीदी केन्द्र पर मात्र 826 किसान उपज लेकर पहुंचे, जिनसे 2758.55 मैट्रिक टन सोयाबीन की खरीदी गई। इधर मंडी में रोजाना बड़ी मात्रा में सोयाबीन बिकने आ रही है। यहां किसानों को समर्थन मूल्य की अपेक्षा कम भाव मिल रहे है, लेकिन फिर भी किसान मंडी में उपज बेचने के लिए पहुंच रहे है। इसके पीछे किसानों का मानना है कि समर्थन मूल्य में सोयाबीन खरीदी के जो मापदंड है, वह काफी कड़े है। जिससे किसानों केवल परेशानियां ही उठानी पड़ती है। इस वजह से किसान मंडी में सोयाबीन बेच रहे है।

किसानों को अब तक 8.51 करोड़ का भुगतान - कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिन किसानों ने सोयाबीन बेची है, उन्हें कुल 13.49 करोड़ रूपये का भुगतान किया जाना था, जिसमें से 8.51 करोड़ रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। शेष 4.98 करोड़ रूपये के भुगतान की प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली गई है। जल्द ही बचे हुए किसानों का भुगतान हो जायेगा। कृषि विभाग का कहना है कि खरीदी के बाद भुगतान की प्रक्रिया को 8 से 10 दिन का समय लगता है। चूंकि भुगतान किसानों के खाते में होता है। ऐसे में कई बार खातों की समस्या सहित अन्य कारणों से भुगतान में देरी होती है। तकनीकी कारणों से भी भुगतान जल्द नहीं हो पाता है। लेकिन फिर भी कोशिश रहती है कि जल्द से जल्द किसानों को भुगतान किया जा सके।

इनका कहना है -जब पंजीयन चल रहे थे, तब मंडी के भाव 4600 के आसपास चल रहे थे। इसलिए कई किसानों ने पंजीयन नहीं कराया। अक्टूबर में बारिश से सोयाबीन भी भीग गया था। जिससे सोयाबीन एफएक्यू स्टेंडर से कम हो गया। एफएक्यू के मापदंड के अनुसार सोयाबीन नहीं होने के कारण मंडी जा रही है। जिन किसानों ने उपज बेची है, उन्हें 8.51 करोड़ रूपये का भुगतान हो चुका है। बचे हुए किसानों को भी जल्द भुगतान हो जायेगा।

- आनंद बडोनिया, उपसंचालक, कृषि विभाग बैतूल

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे का मास्टर स्ट्रोक

आमला विस के लिए 57 करोड़ के विकास कार्य कराए स्वीकृत

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के सभी पांच विधानसभा सीटों पर भले ही भाजपा ने परचम लहराया हो, लेकिन वास्तविकता पर गौर करें तो जिले के आमला विधानसभा सीट के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने अपने विधानसभा क्षेत्र आमला में विकास के कार्यों की झाड़ियां लगाकर भाजपा का कुछ ऐसा परचम लहरा दिया है कि इस क्षेत्र में ऐसा कभी हुआ है, ना होने वाला है। यानी सही मायने में अगर कहा जाए तो डॉ. योगेश पंडाग्रे का विकास के कार्यों में अपने विस क्षेत्र के लिए मास्टर स्ट्रोक है। चूंकि इसके पहले हाल ही में सतपुड़ा ताप विद्युत केंद्र सारणी में नई विद्युत इकाई की स्थापना को लेकर हो रही मांग को उन्होंने स्वीकृत करने में कामयाब हुए, साथ ही इस क्षेत्र में सीमेंट की एक बड़ी फैक्ट्री भी लगने जा रही हैं, उसमें विधायक डॉक्टर पंडाग्रे की अहम भूमिका है। इस दो बड़े कार्यो की सौगात उन्होंने जो दी है इससे पाथाखेड़ा सारणी क्षेत्र को उन्होंने उजड़ने से बचाने का काम किया है। इसके साथ ही अब 57 करोड़ से अधिक का सड़क पुल पुलिया और नाली आदि के विकास कार्यो के लिए उन्होंने राशि मंजूर कराने में सफलता हासिल की है, जो की जिले की अन्य विधान सभा क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक आमला विधानसभा क्षेत्र के लिए राशि स्वीकृत हुई है। जानकारी के मुताबिक बैतूल जिले के आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने अपने विधानसभा आमला- सारणी क्षेत्र में विकास कार्यो को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए 13 पुल पुलिया सड़क के लिए 57 करोड़ से अधिक की राशि लेने में कामयाब हुए हैं । अगर सही मायने में कहा जाए तो इतनी बड़ी राशि से निश्चित ही आमला विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की जाल बिछेगी, वही पुल पुलिया आदि बनने से इस विधानसभा क्षेत्र के रहवासियों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। खास बात यह है कि लंबे समय से सतपुड़ा थर्मल पावर सेंटर सारणी को उजड़ने से बचाने के लिए बिजली की नई इकाई की स्थापना के लिए मांग हो रही थी। क्षेत्रवासियों की इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर डॉ. योगेश पंडाग्रे भी काफी गंभीर थे और उन्होंने इस आशय की जानकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखी थी, जिसे यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गंभीरता से लिया और वे डॉ. योगेश पंडाग्रे की मांग को अमलीजामा पहनाने के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए 660 मेगावाट की नई इकाई सतपुड़ा सारणी थर्मल पावर सेंटर के लिए स्वीकृति दे दी। बता दें कि 660 मेगावाट की बिजली इकाई की स्थापना को लेकर मिली स्वीकृति से सारणी पाथाखेड़ा क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई । वहीं मिली जानकारी की मुताबिक क्षेत्रवासियों की खुशियां उस समय और दोगुनी हो गई जब उन्हें यह जानकारी मिली कि क्षेत्र के विधायक डॉ. पंडाग्रे के प्रयास से ही क्षेत्र में एक बड़ी सीमेंट की फैक्ट्री भी स्थापित होने जा रही है, जिससे क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का विकास होगा ।

जिले में सबसे अधिक राशि आमला को- खबर को अगर सही माने तो बैतूल जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक डेवलपमेंट के लिए राशि आमला विधानसभा क्षेत्र के लिए 57 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत हुई है। जो कि निश्चित ही इसका श्रेय डॉ. योगेश पंडाग्रे के कार्य प्रणाली को मिलना है । वैसे भी अगर देखा जाए तो इस समय बैतूल जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के विधायकों में डॉ योगेश पंडाग्रे अपने कार्य करने के तरीके और ढंग के कारण आगे चल रहे हैं।

सीएम का माना आभार- आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे की मांगों को महत्व देते हुए आमला विस के लिए विकास कार्यों की सौगातें देकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उपकृत किए जा रहे हैं । इसके लिए विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे सहित विधानसभा क्षेत्रवासियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार जताया है।

सडक़ों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में होगी सुविधा- भाजपा बगडोना मंडल को क्षेत्रीय विकास के तहत एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के अथक प्रयासों से मंडल की प्रमुख सडक़ों के निर्माण के लिए शासकीय स्वीकृति मिल गई है। इस निर्णय से जहां ग्रामीण क्षेत्र का विकास होगा, वहीं श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को आवागमन में आने वाली कठिनाइयों से भी राहत मिलेगी। इस स्वीकृति से क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय निवासियों ने भी विधायक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय लंबे समय से प्रतीक्षित मांग को पूरा करने वाला है। सडक़ों के निर्माण से न केवल यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि ग्रामीण इलाकों में विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने इस अवसर पर कहा कि क्षेत्रीय जनता से किया गया वादा पूरा करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सडक़ों की स्वीकृति नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को जल्द इसका लाभ मिलेगा। क्षेत्रीय जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे विधायक की बड़ी सफलता बताया। ग्रामीणों ने कहा कि यह स्वीकृति गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने और विकास की नई राह खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुलिस विभाग ने स्कूली बच्चों को दी साइबर क्राइम की जानकारी

- एसडीओपी शालिनी परते ने बच्चों को किया जागरूक
- टीआई अरविंद कुमरे ने बताया हेलमेट और ट्रैफिक नियमों का महत्व
- स्कूल संचालक अनिल राठौर और सचिव रिशांक राठौर ने दिया बच्चों को प्रेरक संदेश
- माइंड्स आई इंटरनेशनल स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान
- साइबर क्राइम, ट्रैफिक नियम और पॉक्सो एक्ट पर हुई चर्चा

बैतूल। माइंड्स आई इंटरनेशनल स्कूल, विनोबा नगर में 18 दिसंबर बुधवार को पुलिस विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टीआई अरविंद कुमरे, अनिरुद्ध यादव और एसडीओपी शालिनी परते मौजूद रहे। स्कूल संचालक अनिल राठौर और स्कूल सचिव डॉ. रिशांक राठौर ने भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की।

कार्यक्रम में अनिरुद्ध यादव ने साइबर क्राइम पर अपने विचार रखते हुए बच्चों को बताया कि किसी भी अपरिचित कॉल का जवाब न दें और हमेशा सतर्क रहें। उन्होंने बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी दी। टीआई अरविंद कुमरे ने ट्रैफिक नियमों और नशा मुक्ति के विषय पर बात करते हुए हेलमेट के उपयोग और सुरक्षित ड्राइविंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों

का पालन करना कानून का सम्मान है, यह खुद की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। एसडीओपी शालिनी परते ने बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में विस्तार से समझाया और पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को सतर्क रहने और किसी भी असामान्य स्थिति में तुरंत अपने परिजनों या शिक्षकों को बताने की सलाह दी। स्कूल सचिव डॉ. रिशांक राठौर ने बच्चों को लालच और प्रलोभन से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपरिचित कॉल्स से दूरी बनाए रखना और सतर्क रहना जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्राचार्या रश्मि कमाविसदार ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। इस मौके पर स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं और स्टाफ मौजूद रहा।

चूल्हा जलाते समय आग लगने से झुलसी महिला, भोपाल रेफर

बैतूल। चूल्हा जलाते समय एक महिला आग लगने से बुरी तरह झुलस गई। हादसा चूल्हे के पास रखी डीजल की बोतल गिरने से हुआ। महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बैतूल के मिलनपुर गांव का है। जानकारी के अनुसार सोनम पति मनीष धुर्वे (27) किला खंडारा की रहने वाली है। सोनम बुधवार को खाना बनाने के लिए मिट्टी का चूल्हा जला रही थी। वह चूल्हा जलाने के लिए केरोसिन की जगह डीजल का इस्तेमाल कर रही थी। इसी दौरान चूल्हे के पास रखी डीजल की बोतल को धक्का लग गया। जिससे डीजल महिला और चूल्हे के ऊपर गिर गया। डीजल गिरने से अचानक आग भडक़ गई और महिला आग की चपेट में आ गई। इस पूरी घटना में महिला गले से कमर तक 40 प्रतिशत झुलस गई है।

एक्ट ईव फाउंडेशन ने जिला जेल में भेंट किया बुक शेल्फ और सदसाहित्य

देवास। शहर की सामाजिक संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन द्वारा अपने सामाजिक प्रकल्पों की कड़ी में आज जिला जेल में मांग पर कैदियों के लिए बुक शेल्फ और सदसाहित्य भेंट किया। छोटे किन्तु गरिमामयी कार्यक्रम में जेल अधीक्षक श्रीमती हिमानी मनवारे ने संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा का स्वागत किया वहीं एक्ट ईव फाउंडेशन की और से प्रवीण शर्मा ने श्रीमती हिमानी मनवारे और जेलर अनिल दुबे का स्वागत किया।बुक शेल्फ और सदसाहित्य भेंट के इस अवसर पर मोहन वर्मा ने कहा- अच्छा मित्र और अच्छा साहित्य हमें विपरित परिस्थिति में भी सोचने समझने का अवसर देता है। कई बार क्षण भर का आवेश हमारी जिंदगी की दिशा और दशा ही बदल देता है। जिस तरह हम वाहन चलाते समय दिमाग के साथ क्लच, गियर,ब्रेक का इस्तेमाल कर सुरक्षित वाहन चलाते है इसी तरह परिस्थिति जन्य

स्थितियों में भी संतुलन जरूरी है,ऐसे में अच्छी किताबें हमारी मदद करती हैं। जेल अधीक्षक श्रीमती हिमानी मनवारे ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रयास यही रहता है कि यहाँ रहकर लोग अपने समय को सकारात्मक चीजों से जोड़े रखें और इसी कड़ी में हमने अच्छी किताबों के साथ एक लायब्रेरी की स्थापना की कोशिश की है जिसका लाभ बंदी ले सकेंगे।हम एक्ट ईव फाउंडेशन और मोहन वर्मा जी के आभारी हैं कि हमारे आग्रह पर संस्था द्वारा ये सौगात दी गई।

46 करोड़ 36 लाख से होगा सड़कों और पुल का निर्माण

घोड़ाडोंगरी विधायक के प्रयासों से अनुपूरक बजट में मिली स्वीकृति

बैतूल। घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उईके के अथक प्रयासों से घोड़ाडोंगरी विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में 8 सडक़ों और 2 पुल निर्माण को अनुपूरक बजट में मिली स्वीकृति है। विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में 46 करोड़ 36 लाख 65 हजार की लागत से स्वीकृत सडक़ और पुल निर्माण का कार्य किया जाएगा। इस निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र का विकास होगा, वहीं स्थानीय निवासियों को आवागमन में आने वाली कठिनाइयों से भी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे विधायक श्रीमती गंगाबाई उईके की बड़ी सफलता बताया। ग्रामीणों ने कहा कि यह स्वीकृति गांवों को मुख्यधारा से जोडऩे और विकास की नई राह खोलने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाएगी। जानकारी के अनुसार घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चिखल्दा खुर्द शाहपुर से ग्राम पंचायत कुण्डी के ग्राम कुसमरी तवा घाट 3 किलोमीटर पहुंच मार्ग का 345.00 लाख की लागत से निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार ग्राम गोपालपुर में दिनेश के घर से ग्राम इमलीखेडा 7 किलोमीटर मार्ग का 945.00 लाख, ग्राम चांदढाना से मलाजपुर 5 किलोमीटर मार्ग का 675.00 लाख, पीपलबर्रा बरजोरपुर 3 किलोमीटर 405.00 लाख, कोयलारी वीरगुवाडी 2.60 किलोमीटर मार्ग का 351.00 लाख, कछार कोयलारी 3 किलोमीटर मार्ग का 405.00लाख तथा ग्राम केसिया डोलियाढाना पाढर मेन रोड 3.20 किलोमीटर मार्ग का 432.00 लाख की लागत से निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा ढोढरामउ से भीमपुरा में मोरन नदी पर 384.75 लाख एवं ग्राम टांगना से बीजादेही मार्ग मोरन नदी पर 356.40 लाख की लागत से पुल का निर्माण किया जाएगा।

भिक्षावृत्ति रोकने के लिए,एक जनवरी से भिक्षुक को भिक्षा देने पर संबंधित पर भी होगी एफआईआर

मोहन वर्मा, देवास । कहते है दया ही दुःख का कारण है। अपवादों को छोड़ दें तो जिन्हें गरीब लाचार समझकर लोग भीख दे रहे है वे लोगों की भावनाओं से खेल रहे है। कई बार भीख देने से इंकार करने पर मांगने वाला हमें गाली देकर जलील करने से भी नहीं चूकता।भीख देने के बदले यदि मांगने वाले को हम चाय, खाना या कुछ खिलाने की बात करते हैं तो वो इन्कार करके सिर्फ और सिर्फ नगद राशि की ही मांग करता है। उन्हें काम देने की बात करने पर वे कन्नी काटकर चलते बनते हैं।

इंदौर में बीते दिनों भिखारियों के ख़िलाफ़ शुरू किए गए अभियान में पुलिस के हाथों एक ऐसाव्यक्ति पकड़ा गया जिसके पास 75 हजार नगद पाया गया। मुंबई में भीख माँगकर 70-80 हजार प्रतिमाह कमाने वाले के पास 1.5 करोड़ के फ्लैट के साथ बड़ी मात्रा में नगद राशि भी मिली है।

पूर्व में भी इंदौर में भिक्षावृत्ति के ख़िलाफ़ आदेश जारी किए जा चुके हैं अब पुन आदेश जारी हुआ है जिसमें 1 जनवरी से आदेश का पालन कड़ाई के साथ कराया

जाएगा। देश के सभी हिस्सों के साथ खासकर धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं को भिखारियों द्वारा परेशान किए जाने के किस्से भी नये नहीं हैं।अगर उज्जैन की बात करें तो मंदिरों से लेकर अन्य धार्मिक स्थल के अलावा स्थिति यह हो गई है कि लोग चाय, नाश्ता ज्यूस आदि प्वाइंट पर भी खड़े नहीं हो पा रहे वहां भी भिक्षावृत्ति वाले चैन से खाने पीने भी नहीं देते इस प्रकार से उज्जैन में और ज्यादा यह समस्या बढ़ती जा रही है। जिस पर इंदौर में पाबंदी के बाद जैसा कि पहले भी संज्ञान में आ चुका है कि इंदौर से भिक्षुक पाबंदी बढने के बाद बस ट्रेन अन्य माध्यम से उज्जैन पहुंचकर भिक्षा मांग कर रात में ही इंदौर लौट जाते थे अब पुनः यही स्थिति बनेगी उज्जैन में इस समस्या की सख्ती से कदम उठाने की जरूरत क्योंकि बाहर से आ रहे पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इंदौर में इस प्रकार के आदेश निकलने के पीछे प्रशासन की मजबूरी यह है कि वहां पर चेकिंग के दौरान डेढ़ लाख रुपए महीने तक की इनकम भिक्षावृत्ति से निकली है वहीं इन लोगों के खुद के घर के मकान तक है फिर भी भीख मांग कर गुजारा करना आदत बन गई है । खबर है कि उज्जैन की बात करें तो बड़े-बड़े धार्मिक स्थलों के आसपास भिक्षुकों की गेंग स्क्रीय है और इलाके तक बांधे हुए हैं कि यहां पर अगर भिक्षा मंगानी है तो इसका इतना प्रतिशत हमें देना पड़ेगा तभी यहां पर बैठ सकते हो या घूम कर भीख मांग सकते हो हद तो यह है कि इनमें से कई लोगों के ब्याज तक पर पैसे चल रहे हैं,, इस हिसाब से इनके सरगना की कमाई का अंदाजा लगाया जा सकता है,,,,।

भिक्षा वृति रोकने के लिए जनता को भी जागरूक होना जरूरी हो गया है ज्यादातर भिक्षुक छोटे बच्चों को आगे कर रहे हैं जो ट्रैफिक सिग्नल से लेकर मंदिरों के आसपास चाय नाश्ता पॉइंट आदि पर पहुंच कर भीख मांगते हैं या महिला को पहुंचा रहे हैं खुद दूर से देख कर तमाशा देखते हैं व्यावहारिक तौर पर जो कमाने में असहाय जैसे वृद्धा अवस्था बीमार आदि स्थिति में हो उसे भिक्षा दिया जाना पुण्य का काम होता है हट्टे कट्टे कमा के खाने जैसे लोग भिक्षा मांग रहे हैं और यह बीमारी कि तरह फैलती जा रही है ।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला बैतूल (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम के बिन्दु क्र. 10 (निविदाओं के संबंध में) अंतर्गत 10.1.3 सामान्यः निविदा के तहत अल्पकालिक निविदा आमंत्रित करने हेतु सरल क्रमांक (iii) के अनुसार 07 दिवस की निविदा जारी की जावेगी।

क्र.	टेण्डर नम्बर	जिला	कार्य का प्रकार	लघु निर्माण कार्य / मरम्मत	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में) जीएसटी सहित	अमानत राशि	समय अवधि	भौतिक रूप से एसडीएल प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफडीआर एवं दस्तावेज)
1	2024 MPP_388276_1	बैतूल	नवीन चौकी निर्माण कार्य	पुलिस चौकी सोनाघाटी थाना कोतवाली में नवीन कक्ष का निर्माण कार्य (लघु निर्माण कार्य)	प्रथम आमंत्रण	2,97,000/-	5,000/-	45 दिवस	EMD and all documents Submission Online Only
2	2024 MPP_388240_1	बैतूल	मरम्मत कार्य	पुराना थाना रानीपुर पुलिस म्यूजियम मरम्मत कार्य (बिजली रिपेरिंग, प्लास्टर व प्रोफाईल शीट)	प्रथम आमंत्रण	5,00,000/-	10,000/-	21 दिवस	--do--
3	2024 MPP_388262_1	बैतूल	मरम्मत कार्य	पुराना थाना साईखेडा का मरम्मत कार्य (बिजली रिपेरिंग, प्लास्टर एवं प्रोफाईल शीट)	प्रथम आमंत्रण	5,00,000/-	10,000/-	21 दिवस	--do--
4	2024 MPP_388233_1	बैतूल	नवीन कक्ष निर्माण कार्य	जन शिकायत निवारण कक्ष निर्माण कार्य पुलिस कार्यालय परिसर बैतूल	प्रथम आमंत्रण	5,00,000/-	10,000/-	45 दिवस	--do--

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 19/12/2024 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। म.प्र. भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) में दिये गये निर्देश एवं शर्तें नियमानुसार मान्य होंगी।

पुलिस अधीक्षक, जिला बैतूल

मनीष बागवानी बने भाजपा संतनगर मंडल अध्यक्ष

● सिंधी समाज ने शॉल श्रीफल देकर किया अभिनंदन, वरिष्ठ जनों ने दी बधाई

भोपाल । भाजपा संत नगर मंडल के नए अध्यक्ष के रूप में मनीष बागवानी की नियुक्ति से सिंधी समाज में खुशी की लहर है। उनकी नियुक्ति पर समाज और भाजपा संत नगर द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई प्रमुख समाजसेवियों और भाजपा नेताओं ने भाग लिया।समारोह के दौरान मनीष बागवानी का स्वागत शॉल और श्रीफल से किया गया। समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने बागवानी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। अभिनंदन करने वालों में प्रमुख रूप से राजेश बेलानी, मोहन लालवानी, पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, हरीश केसवानी, बसंत चेलानी, गुलाब जेठानी, कमल विधानी, कन्हैया इसरानी, पंडित जयकुमार शर्मा, राजू वर्मा, प्रदीप बसरेजा, सोनू रायचंदानी, वासदेव झमतानी, शेट्टी चंदनानी, नवीन मनसुखानी आदि शामिल रहे।

5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल जारी

● 24 फरवरी से शुरु होगी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन ने कक्षा 5 और 8 के लिए साल 2025 की परीक्षाओं की तारीखों का ऐलान कर दिया है। पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। आधिकारिक टाइम टेबल के अनुसार, पांचवीं कक्षा की परीक्षाएं 1 मार्च 2025 को खत्म हो जाएंगी। जबकि आठवीं कक्षा की परीक्षाएं 5 मार्च 2025 तक चलेंगी।

दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं पहली भाषा के पेपर (हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और मराठी) से शुरू होंगी। पांचवीं की परीक्षा दूसरी भाषा के पेपर के साथ समाप्त होगी, जबकि आठवीं की परीक्षा तीसरी भाषा के पेपर के साथ आयोजित होगा।

पति से अफेयर के शक में महिला की हत्या

● जबलपुर में महिला ने किया चाकू से हमला पति को रंगे हाथ पकड़ने गई थी

जबलपुर । जबलपुर में पति से अफेयर के शक में पत्नी ने एक महिला की हत्या कर दी। शहर की प्रोफेसर कॉलोनी में महिला ने दो महिलाओं पर चाकू से हमला किया। गर्दन पर हुए वार के चलते एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना माढ़ोताल थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक शिखा नाम की महिला को शक था कि उसके पति का पड़ोस में ही रहने वाली महिला से अफेयर चल रहा है। इसी संदेह के चलते वो पति को रंगे हाथ पकड़ने के लिए उस महिला की सहेली के घर पहुंची थी। यहीं उसने चाकू से हमला किया।

बीच-बचाव करने आई सहेली पर भी हमला

बुधवार दोपहर को शिखा को पता चला कि पति की प्रेमिका अपनी सहेली के घर आई हुई है। वो यहीं पर वो उसके पति से मिलने वाली है। थोड़ी देर में शिखा उसके घर पहुंची, जहां पर वो महिला बैठी थी, जिस पर उसे शक था। दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान शिखा ने पास ही रखा चाकू उठाया और उसके पेट में मार दिया। चाकू लगते ही पेट से खून बहने लगा। बीच-बचाव करने आई सहेली पर भी शिखा ने चाकू से हमला कर दिया।

एक की रास्ते में मौत, एक की हालत गंभीर – वारदात को अंजाम देने के बाद शिखा मौके से फरार हो गई है। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। एक को हालत गंभीर होने के चलते उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं, मृतका की सहेली की हालत नाजुक बनी हुई है। युवती की हत्या करने वाली महिला वारदात के बाद मौके से फरार हो गई। जानकारी लगते ही माढ़ोताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी। थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया-शिखा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर, उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में पाया गया है कि शक के संदेह पर हत्या की गई है।

एम्स शोधार्थियों का एपीपीआईकॉन राष्ट्रीय सम्मेलन में शानदार प्रदर्शन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। एम्स भोपाल के पीएचडी छात्रों ने चेन्नई में आयोजित एपीपीआईकॉन 2024 (एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया सम्मेलन) में अपने शोध प्रस्तुत किए। सम्मेलन में प्रस्तुत शोधों में प्रमुख रहा डॉ. राहुल गौर का अध्ययन, जिसमें रिपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन के जरिए क्रॉनिक लो बैक पेन के प्रबंधन के लिए एक नवीन, गैर-आक्रामक चिकित्सा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। डॉ. संतोष वाकोडे, डॉ. वरुण मल्होत्रा, और डॉ. सोफिया मुद्दा के मार्गदर्शन में किए गए इस केस स्टडी ने पीड़ा में उल्लेखनीय कमी, हृदय गति परिवर्तनशीलता में सुधार, और रोगियों में बेहतर संज्ञानात्मक प्रदर्शन (पी 300 लेटेंसी में कमी) प्रदर्शित किया। यह शोध एम्स भोपाल में स्थापित उन्नत आरटीएमएस लैब और संस्थान के अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। एक अन्य प्रस्तुति तनुशा पाठक द्वारा दी गई, जिसमें पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) फेनोटाइप्स में नींद, चिंता और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। डॉ. सोफिया मुद्दा और डॉ. संतोष वाकोडे के मार्गदर्शन में किए गए इस अध्ययन ने विभिन्न पीसीओएस फेनोटाइप्स के बीच मनोवैज्ञानिक और जीवन गुणवत्ता में महत्वपूर्ण अंतर उजागर किए। गंभीर फेनोटाइप (ए और बी) में कमजोर परिणाम पाए गए, जबकि फेनोटाइप डी में सबसे बेहतर परिणाम देखे गए। यह शोध फेनोटाइप-विशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता और पीसीओएस उपचार में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के समावेश को रेखांकित करता है।

इस सम्मलेन के महत्व पर प्रो. सिंह ने कहा, यह एम्स भोपाल के लिए गर्व का क्षण है।

गृह मंत्री शाह के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, पुलता जलाया

● संविधान से देश चलता है, अमित शाह देश की जनता से मांफी मांगे, भाजपा का चरित्र हुआ उजागर

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के समीप कांग्रेसजनों ने बाबा साहेब अमर रहें के नारे लगाकर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेड़कर का अपमान करने और उनकी आलोचना करने के विरोध में देश के गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

श्री अहिरवार ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे अमित शाह ने जिस तरह लोकसभा में सार्वजनिक तौर पर अंबेडकर जी का अपमान किया है, जिस संविधान की शपथ लेकर अमित शाह देश के गृह मंत्री बनकर बैठे हैं, उसी संविधान निर्माता का अपमान केंद्र की मोदी सरकार और उसमें बैठे मंत्री और भाजपा नेताओं द्वारा किया जाना उनका चाल, चरित्र और चेहरा उजागर करती है। अमित शाह की सोच और मानसिकता दिवालिया हो चुकी है, उन्हें किसी अच्छे सर्जन से अपना मानसिक इलाज कराने की जरूरत है। जब देश का गृह मंत्री ही संविधान निर्माता बाबा साहेब का अपमान करे तो देष की कानून व्यवस्था कैसी चलेगी, यह देश की जनता समझ सकती है?

श्री अहिरवार ने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और महिलाओं को संविधान में प्रदत्त अधिकार दिये, वे सर्वहारा वर्ग के मसीहा हैं। देश की जनता को समतामूलक, समावेशी भावना को दृष्टिगत रखते हुये

स्वतंत्रता से जीने के मौलिक अधिकार दिये, उसी की परिणिति है कि आजादी के बाद आज तक हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश संविधान से चलता है। अमित शाह ने लोकसभा में जिस प्रकार से बाबा साहेब अंबेडकर जी का अपमान किया है, देश की जनता से उनको माफी मांगना चाहिए। केंद्र की मोदी सरकार को अमित शाह को गृह मंत्री के पद से इस्तीफा लेना चाहिए।

श्री अहिरवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमित शाह ने देश की जनता से मांफी नहीं मांगी तो कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग को पूरा अजा वर्ग अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोलेगा, उग्र आंदोलन कर मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली तक कूच करने के लिए विवश होगा।

विरोध प्रदर्शन के दौरान मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल, भूपेन्द्र गुप्ता, रवि सक्सेना, स्वदेश शर्मा, अमित शर्मा, आनंद जाट, अभिनव बरोलिया, मिथुन अहिरवार, किरन अहिरवार, पवन पटेल, हेमंत नरवरिया, मुकेश बंसल, विनोद सूर्यवंषी, नीरज चंडाले, कुनाल गजभिये, टीआर गेहलोद, विक्की कंडारे, शुभम इंद्रासे, दर्शन कोरी, जे.पी. रोहर, रामकन्हैया, विनोद बघेल, शुभम अहिरवार, विनय मालवीय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में लापरवाही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निलंबित

भोपाल जिपं सीईओ गांवों में पहुंचे; महिलाओं से पूछा- लाभ मिल रहा या नहीं?

भोपाल । मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व में लापरवाही बरतने पर भोपाल जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह ने एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निलंबित कर दिया। बुधवार को वे गांवों में पहुंचे थे। उन्होंने महिलाओं से पूछा कि उन्हें योजनाओं का लाभ मिल रहा हैं या नहीं?

पर्व के तहत 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जा रहे हैं। बुधवार को भी शिविर लगाए गए। इनमें सीईओ ऋतुराज भी शामिल हुए। उन्होंने ग्राम पंचायत फंदाकलां, ईंटखेड़ी छाप और बरखेड़ा नाथू पहुंचकर हितग्राहियों से चर्चा की। योजनाओं के बारे में जानकारी भी दी गई। जनपद फंदा सीईओ शंकर पांसे, एपीओ संदीप कुमार श्रीवास्तव भी साथ थे।

अधिकारी-कर्मचारी शिविर में मौजूद रहें -निरीक्षण के दौरान पर्व में लापरवाही बरतने पर सीईओ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा शर्मा को निलंबित करने के आदेश दिए। इसके बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने कार्यकर्ता को निलंबित कर दिया। वहीं, सेक्टर पर्यवेक्षक खजूरी सड़क गीता पाल के 15 दिन के वेतन काटने की कार्रवाई भी की गई। सीईओ ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों को शिविर में रहने के निर्देश दिए।

यह है मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व – मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार की योजनाओं का लाभ आम लोगों को देना है। इसके लिए नोडल अधिकारी और संपर्क दल भी बनाए गए हैं, जो सर्वे कर पात्र हितग्राहियों को लाभ दे रहे हैं। सर्वे के दौरान प्राप्त आवेदन की एंट्री सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी शिविर प्रभारी की होगी।

रविन्द्र भवन भोपाल में 'डाकिया डाक लाया' 22 को

मुंबई के विक्रम जीत के निर्देशन में संगीतमय शाम

भोपाल । महेश मेलोडी मूवमेंट (एम-श्री) ग्रुप 22 दिसंबर (रविवार) को रविंद्र भवन के अंजनी सभागार में 'डाकिया डाक लाया' संगीतमयी आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से शुरू होगा। ग्रुप के अध्यक्ष दिनेश गर्ग और वॉइस ऑफ किशोर

अरविंद दयाल शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रत्येक आमंत्रण पत्र के साथ एक व्यक्ति का निःशुल्क प्रवेश होगा। कार्यक्रम की एंकरिंग प्रसिद्ध सिंगर और वॉइस ऑफ रफ़ी, अशोक सिंह द्वारा की जाएगी। वहीं, साउंड नियंत्रण का कार्य मनोज खरे संभालेंगे और संगीत संयोजन की जिम्मेदारी मुंबई के प्रसिद्ध कलाकार विक्रम जीत सिंह 'विक्की' के निर्देशन में की जाएगी।

क्लासिकल संगीत के इस आयोजन में की-बोर्ड पर दिवाकर परख (मुंबई), मुकुल शर्मा (ग्वालियर), लक्षित अय्यर (भोपाल), वायलिन पर रईस शाह (मुंबई), सेक्सोफोन पर मनीषा यादव (इंदौर), तुम्बा पर आकाश रणदेव (मुंबई), ऑक्टोपेड पर आयुषी मकवाना (ग्वालियर), लीड गिटार पर विकास जैन (इंदौर), बेस गिटार पर दुष्यन्त सचदेवा (भोपाल) जैसे प्रसिद्ध कलाकार अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।

इस कार्यक्रम में मेल सिंगर्स के रूप में अशोक सिंह, अरविंद दयाल शर्मा, डॉ. जितेंद्र झारिया, मनोज पटवा, हरीश जहाँगीर, अनिरुद्ध सक्सेना, यश अग्रवाल, ज्ञानेंद्र शर्मा, सुशील कैथल, लक्षित अय्यर सहित फीमेल सिंगर्स मनीषा यादव, अमीषा मालवीय, माहुरि शर्मा, प्रतिमा गोस्वामी, अनन्या कुलश्रेष्ठ, वंदना सोनी, अंशिका राजौरिया, सर्वेस राजा, मीता दास, फरहत खान, रिंकी सोनकर, रिया रसालिका अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरेंगे।

लहसुन की तस्करी पर रोक नहीं लगा रही सरकार

● किसानों में भारी आक्रोश : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी ने इंदौर के चोइथराम मंडी पहुंचकर किसानों के साथ चीन के लहसुन विरोध में किसानों की आवाज उठाते हुये अपने एक वक्तव्य में चीन से अफगानिस्तान के रास्ते आने वाले भारी मात्रा में लहसुन पर रोक न लगाने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम मध्य प्रदेश में किसान सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। श्री पटवारी ने कहा है 2014 में भारत सरकार ने चाइनीस लहसुन को अमानत और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताकर प्रतिबंधित किया है। ऐसी स्थिति में हजारों टन लहसुन का आना मध्य प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है, इस लहसुन के बारे में कहा गया है कि यह पेट में अल्सर और अनेक प्रकार की बीमारियों का कारण हो सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस लहसुन को बेचे जाने पर रोक लगाकर फटकार लगाई थी और सख्त टिप्पणी की थी। श्री पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में खासतौर से पश्चिम मध्य प्रदेश में किसान बहुत बड़े मात्रा में लहसुन की खेती करता है। चीन का लहसुन आने से लहसुन के दाम 50 प्रतिशत तक गिर गए, जिसके कारण मध्य प्रदेश के किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है। जिसके विरोध में हजारों किसान सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। सब्जी मंडी पहुंचे श्री पटवारी जी ने किसानों को संबोधित करते हुये कहा कि किसानों द्वारा किये जा रहे इतने बड़े पैमाने पर आंदोलन को सरकार अनदेखा कर रही है और कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दे रही। एक तरफ तो सरकार किसानों को समर्थन मूल्य नहीं दे रही है, दूसरी तरफ चीन से होने वाली लहसुन की तस्करी पर रोक भी नहीं लग पा रही है, जिससे किसानों में भारी निराशा है। श्री जीतू पटवारी ने कहा कि किसानों की एक-एक लड़ाई को कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी और इस किसान विरोधी प्रदेष की भाजपा सरकार को किसी भी कीमत पर बेलगाम नहीं होने देगी। चाइना लहसुन का विरोध कर रहे किसानों की आवाज तराना के जुझारू विधायक महेश परमार जी के जरिए विधानसभा तक पहुंचाई गई।

आईटी पार्क का सीएम करेंगे भूमिपूजन

अधिकारी साइट विजिट करने पहुंचे; हर फ्लोर पर होगी हाइटेक सुविधाएं

उज्जैन । उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 21 दिसंबर को आईटी पार्क का भूमि पूजन करेंगे। प्रथम चरण में 46 करोड़ रुपए की लागत से आईटी पार्क निर्मित होगा। आईटी पार्क के बनने से कई बड़ी कंपनियों के ऑफिस उज्जैन में खुल सकेंगे। जिससे उज्जैन में आईटी से जुड़े छात्रों शहर से बाहर नहीं जाना होगा।उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह, एमपीआईडीसी के प्रबंध निदेशक राजेश राठौर, जिला पंचायत सीओ जयती सिंह, एडीएम अनुकूल जैन, निगम कमिश्नर आशीष पाठक ने इंजीनियरिंग कॉलेज के पास बनने वाले आईटी पार्क की जमीन को देखने के लिए पहुंचे। सीएम मोहन यादव यहीं पर शनिवार को आईटी पार्क का भूमि पूजन करेंगे। इसके लिए साइट को क्लियर करवाने का काम शुरू हो चुका है। एमपीआईडीसी के प्रबंध निदेशक राजेश राठौर ने बताया-कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल पर स्थित सभा कक्ष में आईटी पार्क के भूमि पूजन की तैयारियों के संबंध में संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।दो फेज में आईटी पार्क का निर्माण होगा -राजेश राठौर ने बताया कि उज्जैन शहर के लिए आईटी पार्क की सौगात बहुत ही महत्वपूर्ण है। आईटी पार्क बनने से छात्रों को बेहतरीन उच्च गुणवत्ता

की शिक्षा प्राप्त होगी और उज्जैन शहर के लिए औद्योगिक विकास को भी निरंतर वृद्धि होगी। उज्जैन में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप आईटी पार्क का निर्माण किया जाएगा। आईटी पार्क शुरू होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था में बूम आएगा।आवंटित भूमि में दो फेज में पार्क का निर्माण होगा। प्रथम चरण में लगभग 5400 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्माण किया जाएगा। जिससे लगभग 1.2 लाख वर्ग फुट आवंटन योग्य आईटी स्पेस का निर्माण किया जाएगा। लगभग 30 आईटी इंडस्ट्री अपना प्लग एंड प्ले आधारित मॉडल पर कार्य प्रारंभ कर सकेगी। उज्जैन में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए दो साल की डेडलाइन आते की गई है।

ऐसा होगा उज्जैन का आईटी पार्क –एमपीआईडीसी के राजेश राठौर ने बताया कि हम इस आईटी पार्क में टेक कंपनियों और स्टार्टअप को सभी तरह की एडवांस सुविधाएं देंगे। यह उज्जैन का अपने आप में पहला पार्क होगा। सरकार का इस बात पर जोर है कि स्थानीय युवाओं को इसमें प्राथमिकता दी जाए। आईटी पार्क से उज?जैन में औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। आईटी पार्क 2.161 हेक्टर जमीन पर बनेगा। इसमें 11239 स्केयर मीटर में बिल्डिंग बनेगी, बिल्डिंग की ऊंचाई 31.7 मीटर होगी। जिसमें हर फ्लोर पर टॉयलेट के साथ कैफेटेरिया ड्रिंकिंग वाटर, लिफ्ट के साथ ऑफिस के लिए हाईटेक सुविधा भी मिल सकेगी। इस बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर 59 कार पार्क हो सकेगी।

एम्स भोपाल द्वारा चिकलोद कला गांव में

योग स्वास्थ्य और मेटेरियोविजिलेंस पर जागरूकता अभियान का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में आयुष विभाग, फार्माकोलॉजी विभाग और सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से चिकलोद कला गांव के

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आंगनवाड़ी केंद्र में योग, स्वास्थ्य और मेटेरियोविजिलेंस पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस आयोजन में दो मुख्य स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल थेः आयुष विभाग द्वारा आयोजित योग और स्वास्थ्य शिविर, और फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा मेटेरियोविजिलेंस पर जागरूकता अभियान, जिसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों और उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देना था।

प्रो. सिंह ने इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, इस प्रकार के कार्यक्रम हमारे ग्रामीण समुदायों में स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों का हिस्सा हैं। योग और मेटेरियोविजिलेंस के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करना महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल उन्हें अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति सचेत करता है, बल्कि उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में आयुष विभाग द्वारा एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों और ग्रामीणों को योग सिखाया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लाभ के बारे में जागरूक करना था। शिविर में स्वच्छता, संतुलित आहार, और नियमित व्यायाम के महत्व पर भी चर्चा की गई। इस सत्र में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योगासन तथा प्राणायाम सीखा। इसके साथ ही, फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित मेटेरियोविजिलेंस जागरूकता अभियान का उद्देश्य समुदाय को चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा और प्रभावशीलता की निगरानी के महत्व के बारे में जानकारी देना था।

श्रृद्धा सेतु एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेन सुल्तानपुर तक जाएंगी, 24 दिसंबर से बदलेगा रूट

जबलपुर। जबलपुर होकर अयोध्या केंट तक संचालित होने वाली तीन साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 24 दिसंबर से 7 जनवरी के मध्य सुल्तानपुर तक जाएगी। ये तीनों ट्रेन, एलटीटी-अयोध्या केंट (22183/84),

एलटीटी-अयोध्या केंट-एलटीटी (22103/04) और रामेश्वरम-अयोध्या केंट-रामेश्वरम श्रृद्धा सेतु (22613/14) एक्सप्रेस है।संबंधित अवधी में एलटीटी-अयोध्या-एलटीटी (22103/04) और श्रृद्धा सेतु (22613/14) एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर जफराबाद-जौनपुर सिटी (परिवर्तित मार्ग) होकर चलेगी। उक्त ट्रेनों संचालन भी अयोध्या केंट के स्थान पर सुल्तानपुर स्टेशन से आरंभ होगा। यह निर्णय अयोध्या केंट स्टेशन में यार्ड रिमाडलिंग कार्य के कारण किया गया है। इस दौरान उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के बाराबंकी-अयोध्या केंट-जफराबाद रेलखंड पर अधोसंरचना निर्माण कार्य होना है। इसके कारण भी कुछ अन्य ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित रहेगा। दुर्ग- नौतनवां 18205 एक्सप्रेस 19, 26 दिसंबर व दो जनवरी और नौतनवां-दुर्ग 18206 एक्सप्रेस 21, 28, दिसंबर एवं चार जनवरी को दोनों दिशाओं में अपने पूर्व मार्ग के स्थान पर मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर-ओंरिहार होकर जाएगी।

गोरखपुर-यशवंतपुर 15023 एक्सप्रेस 24, 31 दिसंबर एवं सात जनवरी और यशवंतपुर-गोरखपुर 15024 एक्सप्रेस 19, 26, दिसंबर एवं दो जनवरी को अपने पूर्व मार्ग के बजाय गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी होकर संचालित होगी। इस दौरान छपरा-एलएलटी-छपरा एक्सप्रेस (15101/02) छपरा-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी-ऐशबाग-कानपुर सेंट्रल होकर चलेगी।

सीएम की खिलाड़ियों को नसीहत, हार-जीत से न घबराएं, पीएम के जीवन से लें प्रेरणा

- भोपाल में खिलाड़ियों का सम्मान किया; उनके बीच पहुंचकर मोहन यादव ने ली सेल्फी

पीएम के जीवन पर ग्रंथ लिखा जा सकता है : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन में कई कठिनाई रही हैं। इन कठिनाईयों पर तो बहुत बड़ा ग्रंथ लिखा जा सकता है, लेकिन संकल्पों से जो उन्होंने पाया, उससे दुनिया चमत्कृत है। उन्होंने श्रेष्ठ व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के टीटी नगर में खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में यह बात कहीं। कार्यक्रम में कुल 1786 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया, इनमें से 1041 को खेल किट भी दी गई। मंच पर खेल मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष मोहन जाट, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल भी मौजूद थे।मंत्री सारंग ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी, इसके बाद सीएम डॉ. यादव ने संबोधित किया।

राजनीति भी एक खेल, यहां भी खिलाड़ी होते

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभा का प्रदर्शन खिलाड़ी ही अच्छे से कर सकता है। ये अलग है कि राजनीति में भी खिलाड़ी होते हैं। राजनीति भी एक खेल ही है। खेल का मतलब हार और जीत से जुड़ता है। इसमें सब प्रकार के संदेश और सार छिपे हुए हैं। किसी परीक्षा में सिलेक्शन नहीं हुआ तो आप घबराए नहीं। प्रधानमंत्री जी के जीवन से प्रेरणा लें। हमने हॉकी का वो दौर भी देखा है, जिसमें नंगे पैरों से खेलते हुए महान खिलाड़ी ध्यानचंद ने दुनिया को चकरा दिया था। पहले भाव में आगे थे और अब प्रभाव में भी आगे हैं। किसी खेल में पुरस्कार मिले या नहीं, लेकिन पुस्तिका पदक जरूर मिलते हैं।

खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर सेल्फी ली

संबोधन के बाद मुख्यमंत्री खिलाड़ियों के बीच पहुंचे और सेल्फी ली। उन्होंने कहा कि हमारे साथ तो सभी सेल्फी लेते हैं, लेकिन आपके साथ मुझे सेल्फी लेने का मौका मिल रहा है। इसके बाद डॉ. यादव खिलाड़ियों के बीच पहुंचे और फोटो खिंचवाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री विश्वास सारंग समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों को राशि के चेक भी दिए।

शार्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया

कार्यक्रम में खेल विभाग ने अब तक की उपलब्धियों पर आधारित एक शार्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया, जिसमें प्रदेश में खेलों के विकास और खिलाड़ियों की सफलता को दर्शाया गया।

इनका हुआ सम्मान

जूनियर खिलाड़ियों को खेल वृत्ति एवं खेल किट का वितरण किया गया हैं। वहीं, राज्य स्तर पर पदक विजेता प्रतिभावान जूनियर खिलाड़ियों को खेल वृत्ति और खेल किट दी गई। खेलो इंडिया सेंटर के खिलाड़ियों को किट वितरण, खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत चयनित खिलाड़ियों को भी खेल किट वितरित किए गए।

'पीथमपुर के भूजल को प्रदूषित करेगा जहरीला कचरा'

गैस पीड़ित बोले-डाउ केमिकल को सौंपे कचरा अभी भोपाल की 42 बस्तियों का पानी खराब

भोपाल (नप्र)। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का 337 टन जहरीला कचरा पीथमपुर में दफन होगा। इसमें कुल 126 करोड़ रुपए खर्च होंगे। 6 जनवरी से पहले कचरे को पीथमपुर पहुंचाना है। इसी बीच गैस पीड़ित संगठनों ने फिर से एक बार यह कचरा डाउ केमिकल को सौंपने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि कचरा पीथमपुर पहुंचा तो वहां के भूजल को भी प्रदूषित कर देगा। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा ने कहा कि भोपाल से निकलने वाले खतरनाक कचरे को साढ़े 3 महीने तक जलाया जाना है। इतने लंबे समय तक भस्मक से निकलने वाले धुएं में जहर और पार्टिकुलेट मैटर के चपेट में आने वाली आबादी की संख्या एक लाख से भी अधिक है। वर्तमान में जो काम जारी है, वह जानबूझकर सार्वजनिक स्वास्थ्य का एक हादसा पैदा करने से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यूका फैक्ट्री से कुल 337 टन कचरा हटना है। इसके बदले में पीथमपुर में यह तीन गुना बढ़ जाएगा, जो अत्यंत जहरीला रहेगा और पूरे पीथमपुर और आसपास के भूजल को प्रदूषित कर देगा। वर्तमान में भोपाल स्थित फैक्ट्री में 21 जगहों पर कचरा दबा है। वहीं, बाहर भी हजारों टन कचरा है। जिससे 42 बस्तियों का भूजल प्रभावित है। जिम्मेदारों को प्रदूषित होते भूजल को रोकना चाहिए। गैस पीड़ित संगठन के बालकृष्ण नामदेव ने भी जहरीले कचरे से पीथमपुर में होने वाले नुकसान के बारे में बताया। पीथमपुर ले जाकर कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले बुधवार को भोपाल में गैस पीड़ित संगठनों ने पत्रकार वार्ता लेकर विरोध जताया।

भोपाल गैस पीड़ित मोर्चा के पदाधिकारी ये बोले...

भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा कि पीथमपुर में सुरक्षित लैंड फिल से पिछले कुछ सालों से जहरीला रिसाव जारी हैं। अधिकारियों के पास यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि 900 टन अवशेषों से निकलने वाला जहर पीथमपुर और उसके आसपास के भूजल को प्रदूषित न करें। भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के नवाब खान ने बताया कि पूर्व के सालों में पर्यावरण मंत्री के तौर पर जयंत मलैया और गैस राहत मंत्री के तौर पर बाबूलाल गौर ने कई सरकारी बैठकों में भोपाल के कचरे को पीथमपुर में जलाने की योजना का विरोध किया था। गैस राहत आयुक्त ने तो कचरे को पीथमपुर में जलाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा तक दाखिल किया था। हम ये तथ्य अब सबके सामने इसलिए ला रहे हैं। ताकि पीथमपुर को धीमी गति से हो रहे भोपाल हादसे में बदलने की प्रक्रिया में लगे अधिकारी बाद में यह न कह सकें, कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।

सरकार ने विधानसभा में दी जानकारी

- सरकार तक पहुंचे मरीजों से अवैध वसूली के 311 केस
- नर्सिंग होम के खिलाफ भी शिकायतें, 654 को कारण बताओ नोटिस,156 के रजिस्ट्रेशन रद्द

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों के परिजनों से उपचार के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। इस तरह की गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं की स्वास्थ्य विभाग के पास एक साल में कुल 311 शिकायतें पहुंची हैं। इन शिकायतों पर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से कार्यवाही की गई है। अलग-अलग गड़बड़ी के मामले में प्रदेश के 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है।

विधानसभा में दी गई जानकारी

सरकार ने यह जानकारी विधानसभा में बीजेपी विधायक अभिलाष पांडेय के सवाल के जवाब में दी है। लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि निजी अस्पतालों की निगरानी की जा रही है। प्रदेश के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सुपरविजन अफसर, म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम के अंतर्गत ऐसे मामलों में जांच और कार्रवाई कर रहे हैं। साल 2024-25 में अप्रैल से अब तक प्रदेश में रजिस्टर्ड 2354 नर्सिंग होम का इंस्पेक्शन किया गया है। इसके बाद 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत निरामयम योजनांतर्गत निजी चिकित्सालयों की एनएचए, एसएचए द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेस्क ऑडिट और थर्डपार्टी ऑडिट एजेंसी द्वारा फील्ड ऑडिट के माध्यम से निगरानी की जा रही है। मंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के निजी अस्पतालों के लिए विनियामक म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 तथा नियम 1997 (यथासंशोधित) 2021 में के अंतर्गत मरीजों के उपचार की शुल्क सूची सार्वजनिक करने का प्रावधान है और इसके निर्देश भी जारी किए गए हैं।

जागरूक करने के निर्देश भी दिए: डिप्टी सीएम शुक्ल ने बताया कि विभाग द्वारा मरीज के अधिकारों एवं अधिक शुल्क वसूलने के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाने को कहा गया है। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (पर्यवेक्षी प्राधिकारियों) को 2 दिसम्बर को जारी निर्देश मेंजन-जागरुकता के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संदेश पहुंचाने के लिए कहा गया है।

त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक के 52 ठिकानों पर छापे

आयकर टीम को 10 लॉकर्स मिले; भोपाल, इंदौर, ग्वालियर में एक साथ रेड

भोपाल (नप्र)। भोपाल में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के ठिकानों पर आयकर विभाग की रेड चल रही थी। उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी रेड पड़ी है। आयकर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह 6.45 बजे एक साथ रेड डाली गई। उनके सभी 52 ठिकानों पर 500 अधिकारी और सीआईएसएफ के जवान पहुंचे। जांच टीम को अब तक 10 लॉकर्स की जानकारी मिली है। इसके अलावा भारी मात्रा में ज्वेलरी मिली है। इसका वैल्यूएशन किया जाना बाकी है।

भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर में भी छापे

भोपाल में नीलबड़, एमपी नगर, कस्तूरबा नगर, होशंगाबाद रोड, 10 नंबर मार्केट, मेंडोरी, मेंडोरा, आरपीएम टाउन में अलग-अलग ठिकानों पर जांच जारी है। इंदौर में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के राजेश शर्मा और आदित्य गर्ग के यहां भी छापेमारी हुई। ग्वालियर में रामवीर सिकरवार के यहां छापे की कार्रवाई की गई है।

बड़ी कर चोरी की आशंका

अफसरों के अनुसार जिन बिल्डर्स के यहां गड़बड़ी के बाद छापेमारी की कार्रवाई की गई है, वे सभी जमीन की खरीद-फरोख्त करते हैं और होटल सेक्टर में इन्वेस्ट करते हैं। जांच के दौरान जमीन बेचने के मामले में जमा कराए जाने वाले कैश से संबंधित 10 दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। इस जांच में करोड़ों रुपए की कर चोरी सामने आने की आशंका है। इसकी स्थिति अगले दो दिन में साफ हो पाएगी। भोपाल में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के आवास पर आयकर की टीम आज सुबह से जांच कर रही है।

सीएम राइज स्कूल का ठेका भी मिला था

खनन और कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े राजेश शर्मा पूर्व मुख्य सचिव के करीबी माने जाते हैं। राजेश शर्मा त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक होने के साथ भोपाल में क्रशर संचालकों के संगठन का नेतृत्व भी करते रहे हैं। वे राजधानी और आसपास के इलाकों में खदानों के ठेके और क्रशर संचालन का काम भी करते रहे हैं। कंस्ट्रक्शन कारोबार से भी जुड़े हैं। त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक राजेश शर्मा की सत्ता पक्ष के कई नेताओं से खासी दोस्ती है। इसके चलते ही शर्मा को सीएम राइज स्कूलों के कंस्ट्रक्शन का भी काम मिला है। रायसेन का सीएम राइज स्कूल इनकी कंपनी ही बना रही है। शर्मा बीजेपी सरकार में पूर्व मंत्री रहे रामपाल सिंह के करीबी बताए जाते हैं।

इनके यहां भी आईटी का छापा: भोपाल में दीपक भावसार, विनोद अग्रवाल, रूपम शिवानी के यहां भी आईटी के छापे की खबर है। ये सभी जमीन की खरीद-बिक्री का काम करते हैं।

एसडीएम मैडम ने ड्राइवर को बनाया 'मनी कलेक्टर'?

- केस सेटल करवाने के लिए 1,50,000 रुपए लेते पकड़ाया
- जबलपुर में लोकायुक्त ने की है बड़ी कार्रवाई

जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में एसडीएम के ड्राइवर को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। घटना के बाद जबलपुर के अपर कलेक्टर ने आरोपी सुनील कुमार पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही आरोपी एसडीएम को भी वहां से हटा दिया गया है। ड्राइवर एसडीएम कोर्ट से एक केस सेटल करवाने के नाम पर तीन लाख रुपए की मांग की थी।

नोटिस को रफा दफा करवाने के लिए 3 लाख रुपए की मांग: जानकारी के अनुसार शहपुरा एसडीएम ने एक किसान की जमीन पर बासमती चावल के भंडारण हेतु फरियादी संग्राम सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसी कारण बताओ नोटिस को रफा दफा करने के लिए एसडीएम शाहपुरा के ड्राइवर सुनील पटेल ने 3 लाख की मांग की थी जो कि बाद में ढाई लाख रुपए में सौदा तय हुआ था।

यह था मामला

फरियादी संग्राम सिंह ने बताया कि 5 से 6 किसानों की लगभग 4000 धान की बोरियां खेतों में रखी हुई थी। तभी तहसीलदार रविंद्र पटेल मौके पर आए और उन्होंने यह पूछा कि इतनी सारी बोरियां यहां पर क्यों रखी हुई है। धान यहां पर कैसे आई इसके बाद उन्होंने मुझे धमकाया और पंचनामा बनाते हुए कार्रवाई करने लगे। आगे की कार्रवाई के लिए उन्होंने शहपुरा महिला एसडीएम नदीमा शीरी को भेज दी।

तीन लाख रुपए की मांग की: इसके बाद एसडीएम मैडम ने अपनी ड्राइवर के माध्यम से मुझे अपने चैंबर में बुलाया और 300000 की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर तुम 3 लाख नहीं दोगे तो तुम्हारे ऊपर एफआईआर दर्ज हो जाएगी। काफी देर तक बात करने के बाद मामला ढाई लाख रुपए पर खत्म हुआ। 50 हजार रुपए संग्राम सिंह ड्राइवर को उसी दिन दे चुका था बाकी के 2 लाख और देने थे।

संग्राम सिंह लोकायुक्त में की शिकायत

इसके बाद संग्राम सिंह ने लोकायुक्त से मदद मांगी। एसडीएम के ड्राइवर को डेढ़ लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों लोकायुक्त ने गिरफ्तार कर लिया है।

एसडीएम ने मांग की थी रिश्वत

हालांकि लोकायुक्त की टीम ने एसडीएम के ड्राइवर को तो गिरफ्तार कर लिया है और उस पर कार्रवाई भी की जा रही है। लेकिन संग्राम सिंह का कहना है कि रिश्वत उससे महिला एसडीएम नदीमा शीरी के द्वारा मांगी गई थी। ड्राइवर तो महज एक माध्यम था।

ग्वालियर के कुंज विहार में ताबड़तोड़ फायरिंग...?

गाय बांधने पर दोपहर में झगड़ा, एफआईआर, फिर समझौता; रात में हत्या की कोशिश

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के गोला का मंदिर में घर के सामने गाय भगाने को लेकर दो परिवारों में झगड़ा हो गया। झगड़ा दोपहर में महिलाओं के बीच हुआ था। इस पर एक पक्ष शाम को थाने में शिकायत कर आया। इसके बाद शाम को ही बातचीत के बाद दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया, लेकिन रात में फिर इसी विवाद के चलते आरोपी पक्ष बाहर आया और लाइसेंसी बंदूक, देसी कट्टे से फरियादी और उसके बेटे की हत्या की कोशिश करते हुए चार से पांच गोलियां चला दीं। फरियादी के बेटे का दोस्त बचाने आया, तो उसे सड़क पर पटक कर लात-घूंसों से पीटा। घटना गोला का मंदिर कुंज विहार फेस-2 की है। फायरिंग का वीडियो भी सामने आया है। हमलावर अपने घरों पर ताला डालकर भाग गए हैं। फिलहाल गोली बारी के बाद इलाके में इतनी दहशत बनी हुई है कि सुबह से पुलिस फोर्स तैनात किया गया।देर रात आरोपी ने घर के बाहर पहुंच कर गाली-गलौज करते हुए फायरिंग की।

गाय बांधने को लेकर हुआ था झगड़ा: शहर के गोला का मंदिर कुंज विहार फेस-2 निवासी 54 वर्षीय बृजेश कुमार शर्मा के घर सामने ही पुष्पराज सिंह तोमर रहते हैं। मंगलवार दोपहर घर के सामने

गाय बांधने और उसे भगाने को लेकर बृजेश शर्मा का झगड़ा पुष्पराज की बेटी दिव्या तोमर और बेटे अविनाश तोमर से हो गया था। इस पर उन्होंने बृजेश के साथ मारपीट कर दी। इसकी एनसीआर रिपोर्ट बृजेश ने गोला का मंदिर थाना में शाम को की थी। वह शिकायत करने के बाद घर लौटा ही था, तभी दोनों पक्षों के बीच कुछ लोगों ने बातचीत कराई। बातचीत के बाद दोनों के बीच समझौता हो गया था। अभी सब कुछ ठीक लग रहा था कि रात को पुष्पराज सिंह तोमर, अपने बेटे अविनाश तोमर, अभिषेक तोमर और भतीजे मोनू तोमर के साथ बाहर आया और गाली गलौज कर हंगामा करने लगा।

पुष्पराज बोला- हम भिडोसा वाले हैं, हमारी शिकायत करेगा ...और गोली चला दी

इसके बाद पुष्पराज ने सभी के सामने चिल्लाते हुए बृजेश से कहा कि हम भिडोसा (मुरैना, डकैत पान सिंह तोमर का गांव) वाले हैं। हमारी शिकायत करेगा। बृजेश ने समझाया कि बात खत्म हो गई है, लेकिन तभी अविनाश तोमर ने हाथ में लिए कट्टे से बृजेश पर फायर कर दिया। इससे गोली उसके कान के पास से छूते हुए निकली। इसके बाद बृजेश का बेटा सुमित शर्मा बाहर बालकनी में आया तो एक गोली उसकी तरफ चलाई गई। उसने अंदर भागकर जान बचाई। इसके बाद बदमाशों ने चार से पांच गोलियां चलाई हैं। इसी बीच सुमित का दोस्त अशोक बघेल बीच बचाव करने आया तो हमलावरों ने उसे पीटा। आखिर में हमलावर अपने घर पर ताला डालकर भाग गए। ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद बृजेश शर्मा के घर गोलियों के निशान पड़ गए।

बेटे ने बनाया वीडियो, पुलिस को सौंपा

घटना के समय बृजेश शर्मा के बेटे सुमित ने हमलावरों का फायरिंग करते हुए वीडियो बना लिया है। जिसमें आरोपी फायरिंग करते हुए और गाली गलौज करते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो पुलिस को दिखाया है। जिसके बाद पुलिस ने पुष्पराज, अविनाश तोमर, अभिषेक तोमर व मोनू तोमर के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

फरियादी बोला-हमारी जान को खतरा

मामले के 12 घंटे बाद भी फरियादी दहशत में हैं। हमलावर फरार हैं, इसलिए फरियादी बृजेश कुमार शर्मा और उनका परिवार घर से बाहर नहीं निकल रहा है। पुलिस ने भी उनको जब तक हमलावर पकड़े नहीं जाते हैं तब तक घर से बाहर निकलने के लिए मना किया है। फरियादी का कहना है कि, उनके घर से थाना दो किलोमीटर की दूरी पर है। यदि वह थाना भी जाते हैं तो जान को खतरा है। हमारी गाय के बछड़े को मारने से रोकने पर यह पूरा विवाद हुआ है। जब हम शिकायत कर लौटे तो हमलावर पहले से ही पूरी तैयारी कर वहां खड़े हुए थे।